S. R. FATEPURIA COLLEGE



Environmental Studies (AECC) Assignment

B. A. 2nd Semester Programme

Name: Abul Hassan

Roll No.: 2456080 Regn No.: 066648

Session: 2022-2023

- ভূ খ্রিকা

ज्ञानिष्ण भाषे कार्य साइहिन के ज्ञानिष्ण कार्या साइहिन के ज्ञानिष्ण कार्या साइहिन के ज्ञानिष्ण कार्या साइहिन के ज्ञानिष्ण कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार

कित्रका आलालत

अभ्यकां श्रतम सीशि क्षित्या लालग्रियां वर्गेनाक। श्राठमावाइ सार्थि कुछनेद्रास्टियं स्मारियं म्यात्मां स्मार्थियं सम्मार्थियं सम्मार्थियं सम्मार्थियं सम्मार्थियं सम्मार्थियं सम्मार्थियं सम्मार्थियं सम्मार्थियं सम्मार्थियं समार्थियं सम्मार्थियं समार्थियं समार्थिय - हिलाह्मा क्याह्मास्य प्राप्त कार्याह्म । विकार कार्य कार्य विद्या विद्या वेरा व्याह्म । प्रभाव्यक्षण व्याह्म विद्याहमा विद्या व्याह्म विद्या विद्य

उभं व्यालक अल्लिस । वाहेर से दिश्र अस्ति माश्रक मात्रक माहिक मालिस । वाहेर से क्षिप्र मालिस मार्थिस मार्थिस वाहिक मार्थिस । वाहेर से क्षिप्र मार्थिस मार्थिस मार्थिस मार्थिस मार्थिस मार्थिस निवास नि

क्याक्याभाष के प्रक्षित क्याक्षित्व कर दं स्थिति व्याक्षित क्याक्षित क्याक्षित क्याक्षित क्षिति व्याक्षित क्षिति व्याक्षित क्षिति क्षिति व्याक्षित क्षिति व्याक्षित क्षिति क्षित

क्रिया त्रक क्रियाशीठी प्रकेश विष्म द्वित स्व क्रिया त्रक क्रियाशीठी प्रकेश विष्म क्रिया कार्य क्रिया कार्याय क्रिया कार्याय क्रिया क्



प्राम साथ क्यांप सक्ष अस्य लक्ष्य सम्यक सम्यक स्थित स्थान स्यान स्थान स

ডিপম**ূহা**র

अधिर्ध। आक्रे प्राप्त अपिर्ध क्षित्र क्षित्र

ভূত্তিকা

यार्रेहेप्रधि स्टियो सिक्यां सम्मिष् सिला र

- 3 क्षांत्रकाशित वीकांत पाछा करें कि दि। किंग्रे करें कि दिन । कर्णणा इलामक किए के अत्रित्ति प्रदेश महें का क्षिण के क्रिक्टिंग कि वार्ति है स्थांते यादा का क्ष्य क्रिक्ट क्षिण क्षिण क्षिण क्षिण क्षेत्र क्षिण क्षेत्र क्षेत
 - मि अवूज दिहित वाभुर पृथसत्क काम्रस निहल ला दि । लाई कान्यव्यानार काट्य
 - असाला अरम्। स्थानासुक एसप्रिम्म वावशावं वर्षक उम्र ।
 - 🛮 त्राष्ट्राप्तिक कीर्यात्राक ग्रेग्यां सा कर्ष भीर्यात्रात्र कार्यात्र अर्थात्र व्याप्ति क्रिया विश्व क्रिया क्
 - ण उमाउकावक वाजाग्रातिक लामार्थाज्ञसूत्रक कियातिक लामार्था व्यापातिक लामार्था व्यापातिक क्यापातिक व्यापातिक लामार्था व्यापातिक क्यापातिक व्यापातिक व्यापात्व व्यापातिक व्यापात्र व्यापातिक व्यापातिक व्यापातिक व्यापातिक व्यापातिक व्यापातिक व्यापातिक व्यापातिक व्यापातिक

(1) निरामाण्डिभ उ यया अविदेश याची है भारे में के उद्धा त्याने क्षिण्य का प्रमाणिय का प्रम

दिश्वाह्मका टास् कैणी व्या । विश्वां करं एटि शोशियं हिरामध्य कथा विश्व क्षिण क्ष्यां मिली क्षिण क्ष्यां कर्ष एटि शोशियं हिरामध्य कथा विश्व क्षिण क्ष्यां स्त्रिस्य क्षिण क्ष्यां कर्ष क्ष्यां मुद्रमा क्षिण क्ष्यां कर्ष विश्व क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां स्त्रिस्य क्षिण क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यं क्ष्यां क्ष्यं क्ष्यं

ग्रभूषत



६ भ्रमः

ट्राइट्रिश सेन्स द त्याहाप्रक दाख क्यामा उधि । प्राचुकारिंग एक दील्लिक मज्य मज दाख क्याम क्येटि क्यां का उदिन सडस्स मिम्पेर नायक्ष स्पाधि उम्बाधि क्यां भाषां भाषां मिस्र क्यों क्यां क्यां

S. R. Fatepuria College

Beldanga, Murshidabad

Environmental Studies (AECC) Assignment

B. A. 2nd Semester Programme

Name: ABDUL SAMAD

Roll No.: 3312245-2271617

Regn No.: 066622

Session: 2022-2023

38%- वा		
51. NG	BEEZ	Bg 16 +
1.	उपनिमिल्डे एकांकार्ट्स दुवामां	1-6
	ं} द्विका	2
	११) अयोगिरियं दिक्किरियं दिल्ली	2
	2012 Salsh July	6
2.	क्रिक्टि आस्त्रास्ट्र	7-11
	न्यस्थ्रेष्ट ५६	7
	३३/ हन्द्र स्थान	8
	ग्रा भिर्मा रहा	9
	इंगे व्यक्तियम अधिक अक्ष	9
	N) 25:30	10
	rif Cots 16 215	11
		-
	ASSESSMENT THE PROPERTY.	
	THE PERSON NAMED AND ADDRESS OF THE PERSON NAMED AND ADDRESS O	
- 1		

मार्गियन क्रिक्टाई कुनको शिए छता।

अक्षिताक्रम असी छन्। कुट्टिम स्टिन क्रिकेटिन क्रिकेटिन क्रिकेटिन क्रिकेटिन कुट्टिम क्रिकेटिन क्रिकेटिन क्रिकेटिन क्रिकेटिन क्रिकेटिन अनुभूकेट लेखा हुक्टि असी लाक्ष्रिकेटिन क्रिकेटिन क्रिकेटिन

उमे जिल दिम्लिन त्याद्य क्यार्ट क्यार

Borto, 2

य एकी अध्य एक दिए अद्भी इं

भिष्णक भिष्ठमः अक्टलाट्ट जिन्ना अस्ट असिटा अर्था सर्वास्ता अस्टलाट्ट अस्टिंग अस्टिंग अस्टिंग क्रिका सुद्ध अस्टिंग अस्टिंग स्टिंग स्टिंग स्टिंग सिनार्टिंग क्रिकाश्वास अस्टिंग स्टिंग स्टिंग सिनार्टिंग क्रिकाश्वास अस्टिंग स्टिंग स्टिंग स्टिंग सिनार्टिंग अस्टिंग स्टिंग स्टिंग स्टिंग

व्यास त्याक्ष्यकाश्ची तर्मित्याक्षेत्र अस्टिक :-

अपने स्थित अस्ति अस्ति अर्था स्टिंग अस्ति। उने अस्ति अर्था अर्था अर्था क्रिंग के अप्ति अपित अर्था स्थित । (अस्ते अपना क्रिंग्य अप्ति अपनि अर्था स्थित । (अस्ते अपना क्रिंग्य अपना अर्था अर्था स्थित अर्था क्रिंग्य अपना अर्था अर्था स्थित स्थित अर्था स्थित अर्था स्थित स्थित

सामें कितानं अधारक क्रांस्टरापुं उस उस्में मांगी क्रिकेटने रंकिप्टराजमानं अमिक्टर माम अपार्थ लाक्टिनम् क्रिकंतामें अमिक्टर माम स्पार्थ्य क्रिकंत क्रिकंत क्रिकेट क्रिकेट्य क्रिक्ट क्रिकंत क्रिकेट क्रिकेट्य क्रिकेट्य क्रिक्ट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट्य क्रिकेट्य क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट्य क्रिकेट्य क्रिकेट्य इतिया अक्टिय क्रिकेट क्रिकेट्य क्रिकेट्य क्रिकेट्य अपिटाइं अपिटिंग अपेरिंग अपेरिंग क्रिकेट्य क्रिकेट्य अपिटाइं अपिटिंग अपेरिंग क्रिकेट्य क्रिकेट्य

abernal chilly abined;

Rap 1614

De Sucret :-

Page 16.5

विश्वाद अध्यादित अभीति अभागा अधा COSTAGED 1

ज्याद भी जादार अधि क्रम्या भी केंद्र भारताहर तर अधिराक्षा अध्याते अन् ल्या लाम ।

€ section spraces of and assistant and south sient such orawed orange

SLEET CARD BRUTHER CHEDISIEN GRUSTER 25 CARRIER SERVEL SPERIOR / ENOUGH BOUNTS

ह स्थिताकाश्य त्यकित्रं अकितं उत्पाद्धाका स्थित अधि शक्र है अंग दे के अपने दार्ग है हिंदी है अपद्धिय अभी कुम्द एक्ट्रिस क्या उपमे € जा क्षाक्ष्य वेष्टिक्षा व्यक्षित क्षाक्ष्य व्यक्षित क्षाक्षित व्यक्षित क्षाक्षित व्यक्षित क्षाक्षित व्यक्षित

Sough Bee Misself Rich 200 200 Set ब्लंबर १९७ अभेत अध्योधि अध्या श्राप्त अध्य 302 OBP. 0

् अस्तिहर अध्येत :

DOBIERS:

सुन् सर्वा क्षण अक्सान अक्सान संग्रा ।

इत्ता लाइं । अप अक्सान क्रिके क्रान्ट लाइन ।

क्षण कर्ष क्रिके क्रान्ट क्रान क्रान्ट क्रान्ट क्रान्ट क्रान्ट क्रान्ट क्रान्ट क्रान्ट क्रान क्रान क्रान्ट क्रा

PORT JOHNER SHOULD CHICALDEN SEN!

BOTOSTOCKHUZET TE

BART STREAMEN (Chipko movement):

Elega:

द्वित्यत्यक्षे व्यक्त स्थान्य उत्तं क्षित्य व्यक्तायन्त्र व्यक्तियम् अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्तियम् अक्तिक । तुर्वे अस्य व्यक्तियम् अस्ति अस्तियम् अक्तिक प्रति अस्ति अस्ति व्यक्तियम् अस्तियम्

स्मित्या , टमाडी त्रिक्टिं। का क्राके मेंट् का एक स्मित्या १ किनास का क्राके मेंट् का 1 99 वे अपटा अपटा अपटा स्मित्या कार्के कुट । ज्या श्रिक्ताविक्षा स्मित्या स्मित्या स्मित्या भारति कुट प्राप्ता स्मित्या समित्या स्मित्या समित्या समित्

आस्ट्रायान होते व्याप्त अन्तर स्ट्राया वर्षे वर्ये वर्षे वर

B Buener:

What do the forest bear? Sail, water and pure ain!

BR-16:9 ं जिल्ला - जार भारिक्षण व्यामे अर्थ ठाउँ एउड लाखाण्य मुद्ध स्मिक क्यांत क्यांति क्यांति व्यक्त व्यक्तियाण अध्याप अध्याप अध्याप अध्याप द्वित्य लाहित लामानाही से एसि आविति ज्ञास्त्रीतिक त्यासीयादी अक्षांत्र प्रकृतियायीक अस्मिणाराष्ट्रा मुक्ति उठाई भीए थाएटी स्टाइड क्रांड ्रक्ष उक्ता अधितात मार्थित अधितात व्याप्ति याग्त्री क्यांकि क्यां कर पालाश्यन हर्वाताहरी एकि २००० भिक्काल उद्भितात महिल्ला-एक स्मित State and State once Engle Miles ! श्री स्थार प्रस्कृति स्थार : भिन्निक सालगण्यक्षेत्रम् अप मध्ये विष्यः (i) अपन अधिक अधि करिया करिया अपन अधिक अपन (11) स्थार देशा अधियान्त्रीय आवर्ष द्वार देशा, भारत त्य अधार कर वापाद के उत्पर्ध कर सामा

अस्ति अस्ति अस्ति । अन्ति वातम् अस्ति अस्ति। अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति । अन्ति वातम् अस्ति अस्ति। अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति।

WE 39 JUNE 2021 2187 BOUR CHENERIS

(55) Fodden- Harring,

(50) Fuel - grand

(3v) Fiber - 50 1

(V) Fortilizen - 3721

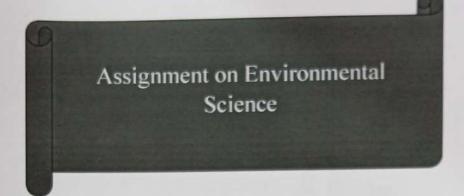
E) STATE :

- उत्तर क्षांत्रे स्पार क्षांत्र कर्या। जू गर्वा ज्या क्षांत्रेय क
- उत्तर क्रिका उत्तरी असम दातन क्षिता हत्त्वी असम्ब उत्तरी अस्तर अस्तर व्यक्त अस्त्री अख्य अपण दार अस्तरी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति (स) (ते व्यक्तियाल उत्तर अस्तरीत अत्यत

Be-16.// Descors: Delle Cillering Des Balon Gige Out स्था कि क्या विद्या गर्म अंद्र कर १३५० वर ४००% एकक खुए अक्का हिला 12873WE PEREL CUISE X861 त्या ॥ के क्रिक प्रार्विप्यकित स्थाति क्रिक्ट क्ष्या स्थाना। त्यालाप्य अस्टिं असेय अस्य द क्रेंडि अक्प्रेट अर्डिट । एडिट अर्डिट त्विमारिक वियास अधिकरेट अस्टे व्यक्ति गाध्य द्वाक्षाः टिन्ने व्यक्तिकातः अक्षक्ताः । स्थार अविश्व ।

SEWNARAYAN RAMESWAR FATEPURIA COLLEGE

Beldanga, Murshidabad-742133



Name: AMJAD HOSSAIN

Class: B.A PROGRAMME

Roll No: 3312213 2248768

Reg. No:066694

Session: 2022-2023

-ः ज्यान्यः

- (1) व्यक्षित्व त्यित्रकृषित देशाद्र → २ ०
- (2) मिन्नाद्धा त्याक्तिम्मन -> 8 -18

(२) नारिशिष्ट न्यितेक्षित् दुसार विष्टा प्राये विष्टा

—ः यात्रहत्रक् निर्मात्रहानेक देभारा :-

उक्ष ——
अक्षाकी अनिगतिन । यात्रीम्त्रम् - विगित्रके - व्यित्राक्ष्मिन ने विगतिन निगतिन ने विगतिन ने विगतिन ने विगतिन ने विगतिन ने विगति

. अतिक क्षा कार्य क्षा कार्य क्षा कार्य हैं यह यह आया. उन्नारी - किरिया सेविया अद्वितारीत अवस्था विविध न्येची क्रिकेट्रातेड त. ज्यादीस्था अतिस्थित स्यादीती सारीति स्वास्ति । १९१३. यात्रीमक्रिक्य के ज्यायक अथ्वक्षार्थित स्थायक देश तथ्या 2. न्युत्याक्षत्य. न्यायक्ष्यं न्याया क्ष्याक स्वाव क्ष्याक क्षयाक क्षय 6. यसक् अडिन क्षिक्तात्वेडिन क्षिक्र के अहिन क्षित्र के अल्पिक न्याया न. नार्राह्म्यन (अरथ्य) नुधितारमाया स्थान्नीय द्वा वेशिकावर्ष 2013पु. यात्रीति. 0° (अप्रेड Co' सोतीसर्व सम्बद्ध प्रयोत स्परियाम निष्य द्वारास स्पर्य नारीस्था कारीस्था क्यां कार्य स्वारास स न्या क्रीय ग्राप्त यात्री है अ.च.

अधितिष- ०

र) - रिम्नाका ज्याकालय सम्मादि ज्यानारमा वर्षमा

द्रियं निर्मा अर प्रदेशका आक्रिक्स आक्रिक्स अर्थित स्थित स्थान स्थानिक स्थानि

अरड अर्थिविश्वर्थ, त्यडें के शिवर्थ, वावस्क्री, व्यक्ष्म, व्यक्ष, व्यक्

- क्षेत्राका ज्याकालन :-

क्षिण्यकं स्टिट्ट्रा विके - क्षिर्य - क्ष्मित्र क्षिर्य - क्ष्मित्र क्षिर्य - क्ष्मित्र क्ष्मित्य क्ष्मित्र क्ष्मित्य क्ष्मित

व्यक्ति कियाक ज्याक्तिका आक्तिका नामि कार्या क्रिया Ser rests सिमि अक्ष सर्वाप्य क्षेत्रकारायीप्य स्थित अप अप्रियासिक ज्येक्षित न्य विश्व अके अश्वीलयं ज्यात्रमात्रमात्र 1010 है। िहिलाका ज्याकालान क्याक्रिका उद्देश, यह किलाका न्यानिष्यां के निर्म निर्मा किया निर्मात किया किया किया अवन क्रिक्टिस क भार्कात्वा त्याकार्य त्यात नामका अक्टिसिय अविवार्व क्षित्रास्त्री अति अति जाति। क्षित्राका न्याक्षिण्यां अ Sport Stop - 5 for F constre Food, Fodden, Fuel, Fibore, Fairtilizar desprison voral 338 (31010) क्षित हर मार्थित १६६८ महरू १६६० स्था के के नार्थित अर् तथ किश्य क्षाक अर्था कार्यावात स्टिन किर्य अर्थ जर्म किर्णाका त्याक्तिलीवर विका किर्ण स्थित स्थान न्युज्ञासा, अधिक स्थायका जाएका मार्किक रेगा कारा है। अधितकार्यहिष्ट स्थित कामिक नामि कामिका स्थापन STIPON OS TONIONOTOR Right Livelihood Award अर्थाल्य सक्र कि में क्या की प्राण्य के कार्याक्ष के कार्याक्स के कार्याक्ष के कार कार्याक्ष के कार्याक्ष के कार्याक्ष के कार्याक्ष के कार्याक्ष के (4)

अन्यार्यन १

अधिकाक अधिकार अस्ति आप्यान विश्व कार्याका अधिकार अस्ति आश्वर स्थित स्थि

Paromita Malakan Student Signature

SewnarayanRameswarFatepuria College



ASSIGNMENT ON ENVIRONMENTAL STUDIES(AECC)

Name: Anamika Mondal

Class: B.A Programme

course

Roll No:

3312245-2270571

Reg. No:065576 session: 2022-2023

अकिला -

- (इ) यांग्रेम्न प्रांदे(पर् दुवाग्रंभेष्ण प्रिंग -
- कि प्रका जात्मालत अमुक् जालाहता क्रव -

देश- श्रीधिमें वाम्मत्ति मर्द्या जातिहरू अमार्थि प्रमाविका यथात सात्म उ निव अगितिका मिन्न मिन्न तिम्म सात्म निक्ष प्राधावनाति वामुद्धम यहला। अहे वामुद्धम सात्म उ निव अगितिकाव उभव निन्ति वक्षा कि अविकावक अन्ति विख्य क्षा अन्ति विद्य निम्दे प्रमावक वावसा श्रिक वक्षा आहम्म द्या नित्स वामुद्धम निम्द्र (ग्व देनाम् प्रमा प्राथम क्षा रम। नित्स वामुद्धम निम्द्र (ग्व देनाम् प्रमा प्राथम जालाहना कवा रल —

() वामुद्रम्य निर्मेष लाइप शाय्ये कथा ० –

याग्रेरेम। प्रिय क्यांचे क्यां सिट्य विश्व प्रिस्त विश्व वि

(i) विष्क द्वालाति वावरात : -

इतिहि। येद्या (मिक याणावि वर्षा क्षेत्रक क्षेत्रवे व्यविवास व्यव्यक्षि

क्वा असिहा । अहादा विद्या विदीत (असिल व्यवहाव क्वा

(ii) व्यिष्ट कार्डि दुरिया वोवडावं ३ –

प्रमानिक कार्रिक हिरमप्रीत वािर्वाहिक विद्याहिक कार्रिक मिन्न वाक्ष्य हिरमप्रीत वािर्वाहिक वािर्वाहिक कार्रिक हिरमप्रीत कार्य हमा वा्याय क्ष्य हमा कार्य क्ष्य हमा कार्य क्ष्य क्ष्

(v) ग्राम अविकाषितकारी मतुनादिव मायवाद :-

व्यक्त द्वालत ० –

यागुम्म निग्नु क्र्राइ जन र्१ भव्यस् रुक्त विण्न विग्न विग्

(ग) जिन्हाना वाक्षा :-

उत्री धाइ७ किंड्यील वावशा अ२० करा इस। एसन

- @ कीर्गालक अमार्थिव विषयि प्राचीत क्षीति अभिश्वि क्षिति क्षीति क
 - (प्रक्रारं वोनमा करे। स्रिक्षां क्ष्या क्षित्र क्षित्
- © ऋषिकाव्य कीरेलाज्य जाना जाता अस्माजन, जना उनमूक इस्मान काल लागाता अस्माजन, मार्ष कीरेलाम महल यानविलाव कव्य ना

पार्व अठा॰ कीरितालक वायराव कव् ता रूग ।

- (भाषित प्राप्त क्या याप्र, मिन विदिन क्ष्रित साहित -भाषि के जिए मिन क्षिण निभंसन नामन प्रक्षि वकिष्टि (भाषित प्रमु नामाला अस्माजन।
 - @ जिम्निए अमावर्षन अम्बिए क्षिकाड क्या असाउन।

8) हिल्ट्य जात्मालत प्रश्चक् जात्माहता कर ।

कः - िष्टिक आत्मान्त १ - िष्टिक आत्मान्त इन यक्ष्यकान विविध्य आत्मान्त या आतिष्ठ वामी धावना श्रम प्रजान प्रवान अविध्य आत्मान कार्य प्रवान कार्य कार्य प्रवान कार्य कार्य प्रवान कार्य कार्य प्रवान कार्य कार्य कार्य प्रवान कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार का

आल्मान तर् प्रवाण १- 1970 श्रिकी कालिमान क्षिण (प्रवाप क्षिण कार्मिन कियान क्षिण कार्मिन कियान क्षिण कार्मिन कियान कियान कार्मिन कियान कियान कार्मिन कियान कियान कार्मिन कियान किया

हिल्या जात्मान्य घरिताकात :- @ 1972 ध्रिक्टीका रिश्रमुत्र साय जालिक्कां हैनजाहि सहिलाता भाशांद्र जक्रात्र

© 1973 धिरोक्त 24 अश्रिम अनाशामा एतं का क् -र्पाालशृद्ध प्रिप्तम ताप्तक रितिम गुग्रिके श्रद्धकारी वकिर काश्चाति 300िर पाष्ट्र कार्रिय क्रिम क्रिम आग्रामीर्ग जाप्तन मीरा श्रद्धा ।

© 1978 श्रिक्टीत जािंगमीम लाही मिल प्राल यक प्राष्ट्रप्रीताक जिल्म श्रेष माथा निष् रमल

भीषण वासि व अव विषय माणाम । @ 1980 निक्रम्पाक कडे ब्रास्माय रुठि ब्राकावं (प्रम त्यां तांववयम् कितितं अति। कि अरका जात्मान तरं कत्मकत्र ता - (मर्ची :-@ जुक्त वृत्वाल वर्षा (इति २००९ - ध्रिमीक अम्मिक्सन भूबद्धात विषि चत्र)। © म्री अप्राप्त एके (द्वीत 1982 - ध्रिप्तीक क्राप्तत स्माज -याय वैश्वश्चावं नाप)। © लांगे एकी। हिवका लाप्रायपंतं स्थायाप : - हिवका लाप्रायपंत स्ताम किल जाहिर 'F'। वह जाहिर 'F'- वह Throw 2m - Food, Fodder, Fuel, Fibre & Fertilizer. देशभागकारी आफिर्में (अल्प क्या 3

पिष्ठक इन - Food, Fodder, Fuel, Fibre & Fertilizer. डेंड भामतकारी आफ्रिक काल करा कि कामित कामित

भेर शासिक का॰ मा अर्थ इम —

"

आरि जामारि , जल जामारि , जामारि के यह वल
अर्व प्रासि है हिंद है ते ।

जामका अपन क्या कर्व निस् कान मन "

किल्फा जात्मालतं प्रार्थक्न ३ - हिल्का जात्मालतं विकास विकास वार्मतः। वर्षे जात्मालतं व्रंगितं ज्ञानं प्रतिप्रिका। हिल्का जात्मालवं प्रकानं प्रतिप्रिका। हिल्का जात्मालतं प्रवानं प्रतिप्रका। हिल्का जात्मालतं प्रवानं प्रतिप्रका। हिल्का जात्मालतं प्रतिप्रक्ति। १०१० श्रिमेक्ति। १०१० श्रिकेक्ति। १०१० श्रिमेक्ति। १०१० श्रिकेक्ति। १०

Sewnarayan Rameswar Fatepuria



Beldanga, Murshidabad-742133

UNIVERSITY OF KALYANI

ASSIGNMENT: 2022-2023

Name: ANUSHA MONDAL

Subject: ASSIGNMENT ON

ENVS(AECC)

Class: 2ND Sem B.A Programme

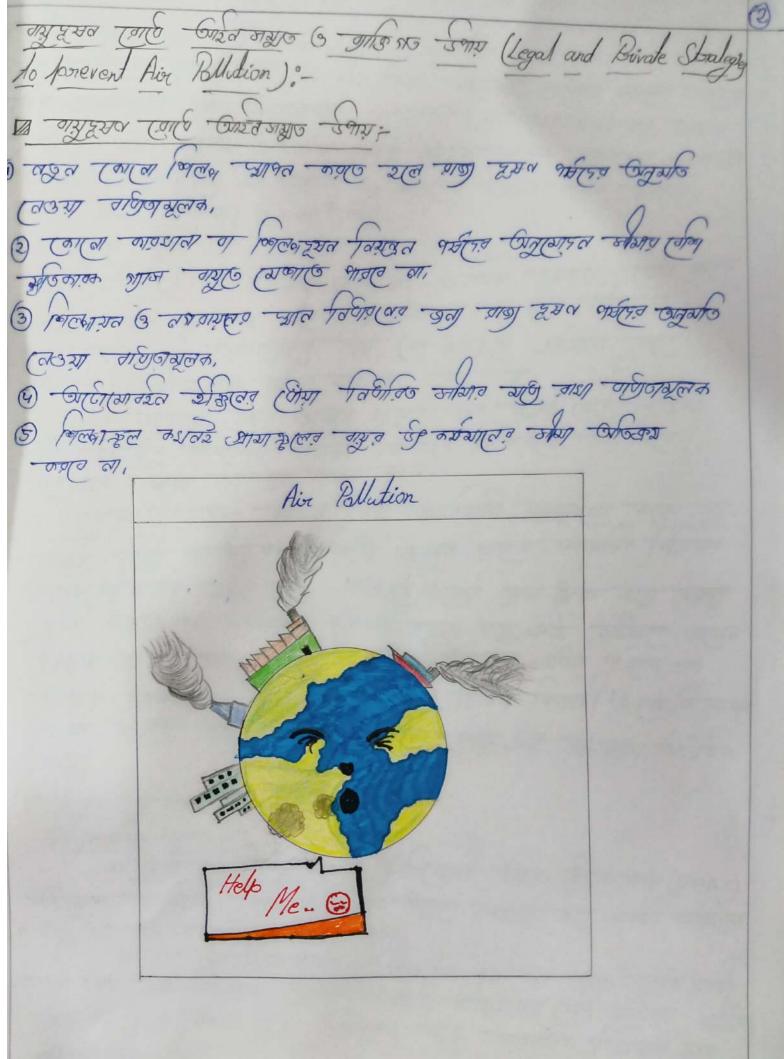
Roll No:3312245-2270581

Reg. No: 065586

	स्ट्रिक
Page	Subject
NO:1-	Strategies. Oyunt orygin or (Alexand
NO:2-	विषय त्यात कार्यम्भेत व विश्वित वार्य
N0:3-	क्रमाह कर्मित है। क्रिया क्रमाह क्रम क्रमाह क्रमाह क्रमाह क्रमाह क्रमाह क्रमाह क्रमाह क्रमाह क्रमाह
NO:4-	93: - छाट्रीप तेष्ठ टापुड about 020ne Legen Deplo 19 शाव छ , व अलात मुख्य , व अलात रिजाय ,
NOES -	॥ अलात खाला अनाव
N0:6-	। अ शात अरवर मा नियु क्यायत पिक्स

Designation of Sum land design of Sum land of Sum and Sum of Sum land of Sum of

अप्राचिता विकास अस्ति	ज्यितिक भीन्यात (अन् यतीयीतः)
जालकार यह ज्यारिक (६०२)	50 वार्यकामाय
नार्राधीएन वर्ष प्रकार्य (NO2)	40 व्यार्थकायावा
पानमात सक्रम्य (K 10 k·m)	६० व्यविकाशाय
<u>G(977</u>	100 व्याहिना आय
निमाना	०.५० च्याञ्जा आर्य
नार्यत - स्ट्री खलाकार्र	2 यहिना धार्य



नायम्य नावराः (क्राणिक्षाण कार्य एक्षा - CFC-11, 12,12, 113 विमाण अमर्जन्त न्यायन क्याय , क्याय के अधायन भारता के जाता के कार्य के - 100 CFC - 5998 - 2(E) 2) - खाग्रत एक - श्राप्टल (स्वाहार - नाट एउट्ड CF3 Bn, CF2 Bn अण्यात त्योगः - अधिवक्षक अ विक्रामिक करात दिशत अलाव • 3 (गात निर्मास करिं। (8) जालाकर त्योग नालागात - यार जिल्लाहेज गणांस (502) स्रीसी व क्र कर्ण क कि रहा काल्या कर्ण कार्मान करा कार्मान (45204) अर्व अर्व - रम् या नामुक् लवनवनाव जाडी। निक्रम कर्व आलाकर सित क्रिम न्त्र अथित अकामन ने नियादिक न्या @ लाहाद्वाण्य त्याताः - लाहाद्वाण्य - चार्च - जाहाद्व (NO2) न लाहादिक - OIRIZE (NO), ARELIGA OVAIZE (NO), AIREJA OVAIZE (NO) - इन्ति वस्ति कार्यालय स्थान करनारमित अन्ति निर्वास करन - लामार्थ प्रक कार अलात म्हलान करा

- ज्याल	अनिय अधि
2239-90	000 00
299-60	200 00
9960-90	So DU

M উল্লিড ক্রান্ড স্বর্যার ;~

्यात क्ष्य अति। श - नार्यात विद्धं - विद्धा १ - व्यवस्था ने विद्धं - क्यां - क्ष्यं - क्ष्य

® - कार्यक्रिय - काळी नांता - कार्याक क्याता नांता नांता नांता नांता कार्या अधिवान्ता क्या भे

) त्याप क्याप्ट ७ ७ वर्षा ? (क) मार्याजिक करिटी शा: करित अर निर्मात कला आवीर का:शा खास भाग, © - आह उद्गाहल का याग्र, @ निक्स (कार्या किस 3 निकाक) क्यांतर करा. (ग) जीवन जिल्ला उन् अन्त :-(a) सार्वित माठाम २०-८०.1º क्याक्याम् अधिकां अधिकां क्रियां क्रियं क्रयं क्रियं क्रयं क्रियं निर्दाद्वाप अद आधार से अर अति गाउँ करों D अत्रवत नाम वास्तित्वत चान चिन भाग 3 - गारिन जल निरु त्यामिन . हिलाप अडवर - काम केमाल काल कामिक मान है। स्थ उस उत्वाप भ्रासिं रायते 500 00 तं क्या उत्व अविषय वे चामाले तेष्ठ अवस्त उत्र त्रा त्राप्त निर्देश कावति मित कावति मित विद्या स्टिं। अक अक्षात यहन निल, जाती महिमां अक्षात अह क्षेत्रिक किराय 25 2 माल 2.6 लार नर्म निर्म जिस जिल या 2000 साल 2.50 लार नमीनीय उर्थ, के देखा १९८ - १००६ (१०० हे इ.स.) १०० हे विषये हैं। Sun UV Radiation ozone Layan Hale Ozone Layan Earth



S. R. FATEPURIA COLLEGE

DEPARTMENT OF ENVIRONMENTAL SCIENCE



B.Sc. Honours Environmental science

1st Semester

Roll:- 2111245

Number: - 2269615

Registration No.: - 067588

Head

Head

Department of Environmental Science

S. R. Falepuria College

Departmental field report

Session: 2022-2023

Acknowledgement

The report is the journey of our educational excursion to North Bengal,

from the Department of Environmental Science, S.R.Fatepuria College, with successful feedback from our departmental students. However, it was not possible without the kind support and help of the individuals.

On behalf of all the Tour members, I extent my sincere thanks to our Principal, Dr. Suhas Roy, our Head of the department, Shri. Pinaki Bose, for making it possible to conduct the educational trip 2022-2023. My heartfelt gratitude to our teachers Pousali Chattaraj and Alemara khatun for their continuous care, support and valuable assistance throughout the trip. My sincere thanks would also go to Sumit kr Ghosh for his selfless and relentless service. Without their assistance the tour would not have been a success.

It was impossible for me to successfully complete the field study and report without their guidance and support.

THAN K YOU

AMMARA YEASMIN

PREFACE

The present report is a compilation of the events, places visited and activities of a 4 days educational trip to Sittong and Takdah organized by the Department of environmental science SRF College, University of Kalyani from 15 Dec to 19 December with the aim to aid the students acquire basic knowledge of environment and equip them with the experience about various culture so as to imbibe and enhance one's reach and impact in the society. In addition, the Department also takes the opportunity to perform different practical of B.Sc. environmental science courses.

Different types of biodiversity i.e. flora and fauna were observed during the site scenes of the study area. The water quality of the study area by collecting water sample from different spots and rivers of the study area and brought in the laboratory for chemical analysis. Different water quality parameters were assessed like determination of Alkalinity, Hardness, Co₂, Nitrate, pH, phosphate. Different common rocks and minerals were identified and took as a sample. Common waste management of this study area were observed and documented.

Every year the Department of Environmental Science of S.R. Fatepuria College has organized. An educational excursion to make students aware about the richness of our state in terms of biodiversity, richness of species, culture and tradition. This year an excursion was organized to North Bengal, to experience the beauty, nature, landforms, soil and water quality.

We think this incredible trip will have a significant importance in academic carrier of the environmental students.



Subjects	Page no.	
List of tables	6-7	
List of figures	8-10	
<u>Chapter I</u> – Introduction	11-12	
Chapter II - Journey schedule	13-14	
Route map	15-18	
<u>Chapter III</u> – Study area	19-22	
Sittong	21	
Takdah	22	
<u>Chapter IV</u> – Observation	23-37	
Common flora in the study area	24-25	
Common fauna in the study area	26-27	
Waste management in the study area	28-30	
Common rocks and minerals in the study area	31-33	
Common water bodies in the study area	34-35	
Common forest in the study area	36-37	
<u>Chapter V</u> —Water quality analysis	38-51	
Sample collection	39	
Sample preparation	39	
Water sample analysis	39-49	
Plankton analysis of water sample	39	
Estimation of CO ₂ of water sample	44	
Estimation of alkalinity of water sample	45	
Estimation of hardness of water sample	46	
Estimation of nitrate of water sample	47	

Estimation of pH of water sample	48
Estimation of phosphate of water sample	49
Chapter VI – Discussion	52 - 54
Common flora and fauna in the study area	53
Waste management in the study area	53
Common rocks and minerals in the study area	53
Common water bodies in the study area	54
Common forest in the study area	54
<u>Chapter VII</u> – Conclusion	55-56
Chapter VIII - Reference	57-59
Chanter IX - Photo Gallery	60-62

3399999999999999999

LIST OF TABLES

Table number	Name of tables	Page number
1	Types of planktons	40
2	Result of Co2	44
3	Result of alkalinity	45
4	Result of hardness	46
5	Result of nitrate	47
6	Result of pH	48
7	Result of phosphate	49
8	Parameters, methods & reference	50

LIST OF FIGURES

Number of figure	Name of figure	Page number
1	Beldanga Station to Berhampore Court Station	16
2	Berhampore Court Station to Khagraghat Road Station	16
3	Khagraghat Road Station to New Jalpaiguri Station	16
4	New Jalpaiguri Station to Yaksha Homestay	17
5	Yaksha Homestay to Dear Hill Homestay	17
6	Dear Hill Homestay to New Jalpaiguri Station	17
7	New Jalpaiguri station to Khagraghat Road Station	18
8	Khagraghat Road Station to Beldanga	18
9	study area of Sittong	22
10	study area of Takdah	22
11	Platycladusorientalis	25
12	Dennstaedtiapunctilobula	25
13	Camellia sinensis	25
14	Hippopotamus amphibious	27
5	capra aegagrus hircus	27
6	canis lupus familiar	27
7	Waste disposal site 1	30
8	Waste disposal site 2	30
9	Granite	33

20	Marble rock	33
21	Basalt	33
22	White quartz	33
23	Serpentine	33
24	Riyang river at jogighat	35
25	Teesta river	35
26	vegetation of sittong	37
27	vegetation of Takdah	37
28	vegetation of lamahatta Eco Park	37
29	Water sample collection	47
30	Plankton collection	47
31 & 32	Co2 determination	47
33,34,35	Site scenaries	57
36,37,38	Group picture	58,59

<u>Chapter - 1</u> INTRODUCTION

What is an excursion?

An excursion refers to a trip or journey made for a specific purpose, typically for leisure, education or adventure. It often involves travelling to a destination, visiting various places of interest, and participating in activities or experiences that are unique to the area. Excursions can range from a single day trip to a multi-day adventure, and can be arranged by an individual or through a tour operator. They are often seen as an opportunity to escape the daily routine, explore new places and gain new experiences, and can also be an educational and cultural experience. Many researchers have investigated knowledge gain and learning that occurred during field trips (Hudak P., 2003; Scribner-MacLean & Kennedy, 2007).

Every year the Department of Environmental Science of S.R. Fatepuria College has organized an educational excursion to make students aware about the richness of our state in terms of biodiversity, richness of species, culture and tradition. This year an excursion was organized to North Bengal, to experience the beauty, nature, landforms, soil and water quality.

Importance of excursion:-

- Excursions provide opportunities for students to apply and deepen their understanding of academic concepts through hands-on experiences.
- Excursions can help students develop social skills and foster teamwork through collaborative activities.
- Excursions can expose students to different cultures, historical sites, and natural wonders, thereby broadening their perspectives and promoting cultural understanding.
- Excursions can provide students with a break from the routine of the classroom, allowing them to recharge and return to their studies with increased energy and motivation.
- Excursions can help students develop independence and problem-solving skills as they navigate unfamiliar environments and challenges.
- Excursions can provide students with memories that will last a lifetime and create a sense of community among classmates.
- ➤ Tal and Morag, 2009 described field trips as student experiences outside of the classroom at interactive locations designed for educational purposes.

<u>Chapter – 2</u> JOURNEY SCHEDULE

□ 15.12.2022 -

- 7:55pm-started our journey from Berhumpur station.
- · 8:25pm-reached at Khagraghat station.
- 10:18pm got up at Kamrup express from Khagraghat station.

□ 16.12.2022 --

- · 6.30am- reached in new Jalpaiguri station
- 7:00am-1:05pm-finishing breakfast at Gautam river view restaurant, left from new Jalpaiguri station and proceed towards Sittong and on the way visited kali mondir, Latpanchal and many other site scenes.
 - · 2:00pm reached at Sittong yaksha homestay
 - 7:30pm-9:00pm- educational discussion

□ 17.12.2022 --

- 10:00am- after eating breakfast we headed towards Takdah and visited many site scenes like waste disposal site, Cinchona plantation site, eagle's nest (which is the home of many birds)
- 11:00am-1.55am- collection of sample from Riyang River at Sittong, visited Rabindra Bhaban and tea garden
- · 2:30pm- reached at Takdah dear hill homestay
- 7.20pm-8.30pm- educational discussion

□ 18.12.2022 --

- 9.15am-10.47am- after finishing breakfast, we started our journey towards new Jalpaiguri station and on our way we saw many site scenes like Lamahatta Sacared lake, orchid center, Teesta river site.
- 2.47pm-reached in new Jalpaiguri station
- 7.20pm-got up at Kamrup express from new Jalpaiguri station

□ 19.12.2022--

- 1.04am- reached at Khagraghat station
- Up to 3.00am- reached at Beldanga station

Chapter – 2.1 ROUTE MAP



Fig 1: Beldanga Station to Berhampore Court Station





Fig 2: Berhampore Court Station to Khagraghat Road Station

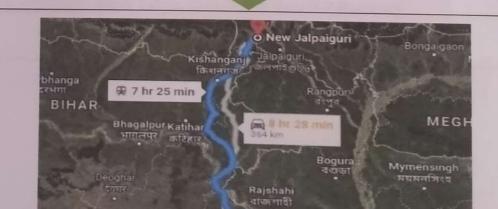


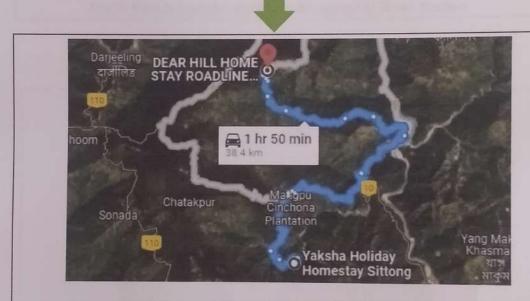
Fig 3: Khagraghat Road Station to New Jalpaiguri Station

Khagraghat Station Road

Bangladesh



Fig 4: New Jalpaiguri Station to Yaksha Homestay



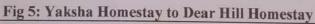




Fig 6: Dear Hill Homestay to New Jalpaiguri Station



Fig 7: New Jalpaiguri station to Khagraghat Road Station



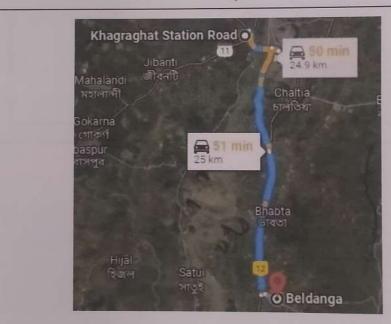


Fig 8: Khagraghat Road Station to Beldanga

Chapter – 3 STUDY AREA

Sittong:

Sittong (Valley) is a village in the Kurseong CD block in the Kurseong subdivision of the Darjeeling district in the state of West Bengal, India.

☐ Location:

Sittong is located at 26.93662°N 88.36736°E. Sittong is a village in the heart of Darjeeling's orange growing area. It is in the Riyang river valley. Mangpu is 20 km and Mahananda Wildlife Sanctuary is 13 km.

☐ Demographics:

According to the 2011 Census of India, Sittong Khasmahal had a total population of 3.098 of which 1,626 (52%) were males and 1,472 (48%) were females. There are 317 persons in the age range of 0 to 6 years. The total number of literate people in Sittong Khasmahal was 2,259 (72.92% of the population over 6 years).

☐ Educational Facilities:

There are plenty of number of primary and secondary educational institutes present at the study area, like Sittong primary school, Getsonamy primary school & Sittong tribal jr. Basic School.

☐ Healthcare facilities:

At Sittong valley some healthcare service is actively available. Mainly lanku health center Located near lanku, khasmahal, Darjeeling, west Bengal. People of these places are hardworking, they mainly took extra Medicare goods at their homes.

☐ Economic conditions:

Due to the limited availability of referces. The rural side of Darjeeling have worse economic conditions including Sittong. The people mainly depends on agriculture, horticulture & tourism. They mainly make money by orange production and unique vegetables like squase. They bring important useful thing from urban side by personal vehicles. The price are high due to less production of industrial grids.

☐ Transportation facilities:

Due to the poor level of transportation and economic disadvantage the education system is under due.

Takdah:

Takdah Cantonment is a neighborhood in the Rangli Rangliot CD block in the Darjeeling Sadar subdivision of the Darjeeling district, West Bengal, India. It is one of the upcoming tourist centers of the Darjeeling hills. It is called Takdah, which literary means always covered, in one of the local folk-lore, as you would know when you visit the fog: Takdah is beautiful place in Darjeeling where you can hang out with family and friends. Takdah is a romantic place in Darjeeling. Roads that connect Takdah are in very bad condition.

☐ Location:

Coordinates: 27°02" N & 88°22'E. Takdah is shown as being located in manedare mouza in the map of Rangli Ranagliot as block.

□ Demographics:

According to the 2011 Census of India, Manedara had a total population of 1,376 of which 719 (52%) were males and 657 (48%) were females. There were 156 persons in the age range of 0 to 6 years. The total number of literate people in Manedara was 905 (65.70% of the population over 6 years).

☐ Educational facilities:

There are very few number of school at Takdah, like Griffiths higher secondary school is an English medium school. Most of the the people of this whole are poor & transportation facilities are underdeveloped.

☐ Healthcare facilities::

There is an only one governmental hospital present in Takdah, Takdah rural hospital. Otherwise there are no more Governmental or private sector healthcare facilities are available in this area.

☐ Transportation facilities:

Transportation in hills is usually underdeveloped that's why people of this area mainly uses personal vehicles. Most of them have to depend public transportation for.

☐ Economical condition:

In Takdah people mainly depends upon tea industry and tourism. Comparatively rich people cultivates vegetables for families. The principle economy of Darjeeling hill area depends upon tea production, horticulture, agriculture and forestry

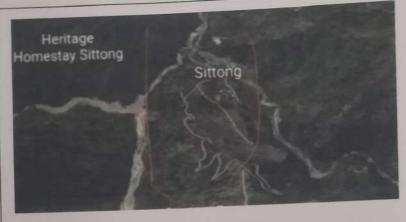


Fig 9: study area of Sittong



Fig 10: study area of Takdah

<u>Chapter - 4</u> OBSERVASTION

Common flora in the study area:

What is Flora?

The population of plant life, the natural vegetation including fungi, algae and indigenous plants in a particular geographical region on time is called Flora. Known as the "Goodness of the Flower" flora represents the whole plant Kingdom. It can be classified into different categories according to various factors. Some plants growing in desert, some growing in water and some found in hilly region etc. Make up the flora plants growing in a specific area will also have adoptions for example, cactus a desert plant is found in desert with adoptions such as modified leaves and prickles for the preservation of water and protection against predators. Flora meaning lies deep in scientific name as it also including literature references, habitats geographical distribution, flowing time and many more.

❖ Flora

- I. Common name Oriental Arborvitae
- ➤ Scientific name Platycladusorientalis
- ➤ Benefits- As a Chinese traditional herbal medicine, leaves of *Platycladusorientalis* [Linnaeus], Franco [LPO], are used to treat cough, excessive mucus secretion, chronic bronchitis and asthma etc.
- II. Common name- Eastern hayscented fern
- ➤ Scientific name—Dennstaedtiapunctilobula
- ➤ Benefits These native trees, shrubs, annulus and perennials do not just survive but will thrive in our long, hot summers.
- III. Common name- Tea plant
- ➤ Scientific name Camellia sinensis
- ➤ Benefits The tea plant provides many benefits, including being a source of antioxidants that protect against disease, improving mental alertness and concentration, hydrating the body, and promoting relaxation

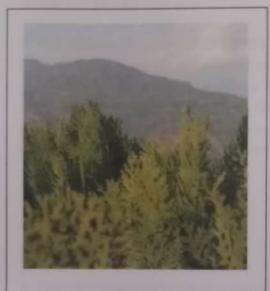


Fig 11: Platycladusorientalis



Fig 12: Dennstaedtiapunctilobula



Fig 13: Camellia sinensis

Common fauna in the study area:

What is Fauna?

The population of animal life in a particular region or time represents the fauna. "Goddess of fertility" Is the name given for fauna and it consists of a wide variety of animal lives. The classification of the animal kingdom is widely available falling under categories that include bride, fish, microorganism and crypto fauna. I. C and is covered animals. Avifauna is a term referring to the birds where as specific fauna is a term given for microscopic organisms including domains like archaic and bacteria.

♦ Fauna

- I. Common name- Hippo
- > Scientific name-Hippopotamus amphibious
- ➤ General characteristics- The hippopotamus has a bulky body on stumpy legs, an enormous head, a short tail and four toes on each foot. Each toe has a nail like hoof.
- II. Common name—Saanen goat
- ➤ Scientific name—capra aegagrus hircus
- ➤ General characteristics —Hair is white to creamy white color. Saanen goats can have erect ears and straight or least 30 inches at the withers and weight 135 pounds or more.
- III. Common name-Kokoni
- ➤ Scientific name— canis lupus familiar
- ➤ General characteristics- The kokoni is a small domestic dog breed from Greece only recently established as a stand arrived breed. The foundation stock, a general landrace of small dogs of the region are widely found throughout the country.



Fig 14: Hippopotamus amphibious



Fig 15: capra aegagrus hircus



Fig 16: canis lupus familiar

Waste management in the study area:

Introduction:

Waste management involves the processes of waste collection transportation processing as well as waste recycling or disposal. Sustainable waste management systems include advanced management strategies to minimize environmental challenges and protect resources (Demirbas.2011).

The collection, processing, recycling or depositing of human society's waste. Materials is Referred to as waste management waste materials can be liquid or solid in nature.

Waste Dumping Site in the Study Area:

The common waste generated from the household, activities, of the village's and tourism. Solid wastes including plastic packet, paper boxes, plastic bottle etc.

The waste mainly dumped in open areas is a great threat as well as inhabitance.

♦ Management:

There are mainly two ways of waste management in this area.

1. Open waste burning:

Waste are buried openly in this area so there is a possible threat to air pollution because various dangerous carcinogen gases release from the burning and mix with air and effect environment as well as localities.

2. Landfills:

Land fill in this area is not done in a scientific manner in these areas. It produce carbon dioxide and water vapor and trace amounts of oxygen, nitrogen, hydrogen and non-method organic compounds these gases can also contribute to climate change and create smog if left uncontrolled.

Waste management effect in the study area:

1. Land pollution:

Land pollution happens when ever waste ends up on soil or other land that the "Takdah" People should process instead. This garbage does not just sit there the contents break down. This means the dint and surrounding areas absurd the pollution and become dangerous for Takdah people and animals.

2. Water pollution:

Whatever waste does not go into landfills or other management areas in" Takdah". The wastes are going to river and ocean by rain water then its break down the eco system of water bodies. The pollution do not easily leave the area and can contaminate other waste sources.

3. Human Health:

Unprocessed waste is huge breeding ground for major disease even contaminated water can host all manners of horrible disease. Improperly handled wastes can also cause blood infections, respiratory problems, skin irritation and other harmful diseases vectors area attracted to the waste and can spread diseases such as cholera and dengue ever.

4. Plant Death:

Contaminates is both the air and water have horrible effects on plants. Even if there are no contaminates in the soil the water brought by the rain can be toxic for plants and kill them.

5. Air pollution:

Improper waste management is a contributor to excess gases entering the atmosphere and causing these problems. The breakdown of the waste release gases alike methane which is a major factor in global climate change in "Takdah" atmosphere the waste management area is very pollution for open garbage area.

6. Negative impact on tourism:

"The study was done in December 17, 2022 by visiting" Takdah". Takdah the people used to burn the waste materials in a specific empty place periodically. The hotels and resorts have their own burning places where they used to burn all the solid wastes. Specially the hazardous ones and burial of the wastes can affect the sensitive ecosystem of those areas and can affect the inhabitants as well.

Many researchers have investigated knowledge gain and learning that occurred the contingent valuation method nor which center for social and Economic research on the global environment.

Due to rapid climate change, especially hilly area, rainfall is one of the important factors the affects the collection and treatment process of waste management difficulties of terrain, social-economic condition of local people make difficult to prepare a proper plant for waste transportation and management.

Alternatively, waste management alternatives have also some positive impact on climate change. Which is attributed to reduction in methane emissions from landfill, reduction of material usage and recycling of materials? [Bartelmus, p. (2009)]



Fig 17: Waste disposal site 1



Fig 18: Waste disposal site 2

Common rocks and minerals in the study area:

Introduction:

Rocks are aggregates of different mineral grains and can be divide into three major families (igneous rocks, sedimentary rocks & metamorphic rocks).

We often find metamorphic rocks at the study area due to the high pressure. The sialic system in the Darjeeling hills area is comprised of Marble, granite, serpentine, basalt, quartz etc.

Common rocks found in study area:

1. SPECIFIC CHARACTERISTIC OF GRANITE:

- 1. It is hard and comebacker rock.
- 2. Crystals are present and easy to see.
- 3. It is dark-grey in color.
- 4. It is quartz grain rock.
- 5. It is opaque.

Hence, the supplied specimen is Granite.

Composition: It is composed of quartz, a few dark colored minerals, sand and mica.

2. SPECIFIC CHARACTERISTIC OF MARBLE ROCK:

- 1. It is white in color.
- 2. It derived from Limestone.
- 3. It grained medium.
- 4. Interlocking calcite crystals present..
- 5. It is hard, although component mineral calcite is soft.

Hence, the supplied specimen is Marble.

Composition: Mainly composed of calcite, dolomite, mostly lime (CaO) and silica present.

3. SPECIFIC CHARACTERISTIC OF BASALT:

1. It is grey in color

- 2. It is fine grained rock.
- 3. Its crystals are too small.
- 4. It is opaque.
- 5. It is rough to touch.

Hence, there supplied specimen is Basalt.

Composition: It is composed of pyroxene, plagioclase and olivine.

4. SPECIFIC CHARACTERISTIC OF WHITE QUARTZ:

- 1. It has vitreous Laster.
- 2. Crystals are present.
- 3. It is colorless.
- 4. It is opaque.
- 5. It is quartz grained rock.

Hence, the supplied specimen is Quartz.

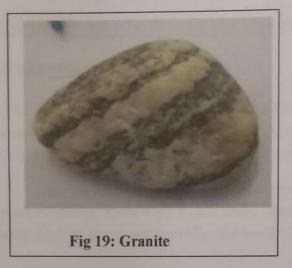
Composition: Mainly composed of silicon dioxide (SiO2).

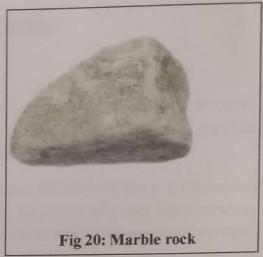
5. SPECIFIC CHARACTERISTIC OF SERPENTINE:

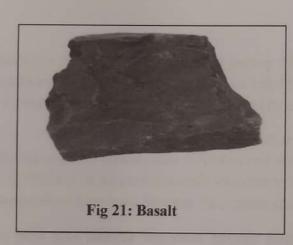
- 1. Brown and black dots are present in it.
- 2. Crystals are present.
- 3. It is hard and well grained.
- 4. Fossils are not present.
- 5. Crystals are translucent.

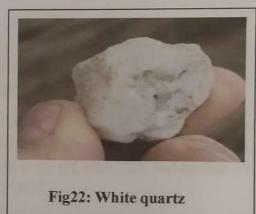
Hence, the supplied specimen is Serpentine.

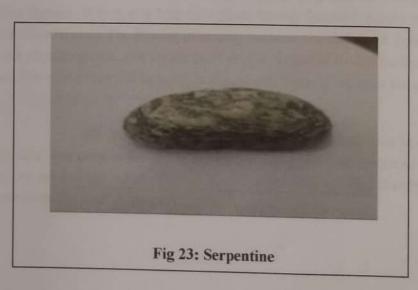
Composition: It is composed of antigorite and lizardite











Common water bodies in the study area:

Introduction:

A river is a natural flowing water course, usually freshwater, flowing towards an ocean, sea, lake and another river. In some cases, a river flow into the ground and becomes dry at the end of its course without reaching another body of water.

Humans use river for irrigation in agriculture, for drinking water, for transportation, to produce electricity through hydroelectric dams, for leisure activities like swimming and boating. Each of these uses can affect the health of a river and its surrounding ecosystem.

Common water body of study area:

Teesta is a main river in Sikkim & Darjeeling. The Teesta River is considered to be lifeline of Sevoke areas. The people of there get a lot help from this river. Teesta leaves Darjeeling district at a place called Sevoke. The Teesta derived its name from the word "Trisrota".

The river is 414 km long that rises in the Pahari Mountain of eastern Himalayas, flows through the Indian states of Sikkim and West Bengal through Rangpur. It drains an area of 12,540 km². In the previous study we come to know the pH, alkalinity, and hardness, nitrate a temperature have need increase. M.S. Islam et al (2018).

We have also identify important another river, Riyang, Jogighat in Mangpoo cinchona plantation, West Bengal. Which is a beautiful place having fantastic scenic views. Jogighat Bridge in on the river Riyang. The Riyang cascading between the rocks as it flows past beneath the bridge. It is a popular picnic spot for the local people. Jogighat Bridge connect Sittong area with Mangpoo. The ruin of the old hanging bridge is still there to increase the curiosity of the visitors.

We have seen a very beautiful and a sacred lake in the Lamahatta Eco Park. This lake was once at the top of the hill. It has great importance as per Buddhists mythology, as per mythology water of pond have the blessing of Lord Buddha. The lake is about 750 meter from the base of the park.

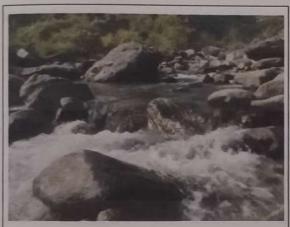


Fig 24: Riyang river at Jogighat



Fig 25: Teesta river

Common forest in the study area:

Introduction:

The word was broadly described on area that has a large number of trees. There are the three general types of forest that exit: temperate, tropical and boreal. Experts estimate that those forests cover approximately one third of earth surface.

Mountain forests are a key component of integrated watershed management. They contribute to sediment concentration to the regeneration of soils. Due to their considerable in filtration capacity forest can store high rainfall quantities and reduce Run off rates.

Hilly forest are important in watershed management and risk mitigation as well as biodiversity and food security.

<u>Sittong vegetation</u>: There was dense forest on the both sides most of the trees in the forest are pine tree (*pines sp.*) And other like cinchona trees (*Quinan sp.*) mainly. Also saw different forest like Gola forest, choklong forest, Mahal dirham forest etc. previous research known that many of the plant species where used by people for medicinal propose which was documented was documented in ancient literature including Samhita and Samhita, 2017.

<u>Takdah Vegetation:</u> some of the most picturesque tea Gardens of Darjeeling district located in Takdah. The main tea estate in Takdah are Rungli Rungolit, Gielle, Namring, Jinglam, Poomong. The lush tea garden landscape surrounded by mountains. Takdah has a great Orchid center spread across vast stretch of area. We saw many different kinds of unusual and colorful Himalayan orchids being cultivated and grown.

Lamahatta Eco Park: There was a large pine tree (pinus sp.) forest .we saw many trees like tea plant(Camellia Sinensis sp.), Bush etc and saw many flowers trees like marigold (Tagets sp.), Dog-rose (Rosa Canina sp.). Major attractions in Lamahatta are the park and will manicure garden within the village. Tree cover also act in shelter, provision through shelterbelts thus reducing wind velocity. Filtering airborne particles of sand and dust, protecting animals, agricultural crops and habitations (Evans & Turnbull 2004). We saw many kinds of birds in this Park. The environment in this Park is pollution free due to human interruption and this is very pleasant. A water lake were in the top of the park is called 'scared Lake'. Experience silence and beauty of natural combined in Lamahatta.



Fig 26: vegetation of Sittong

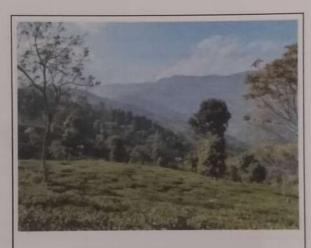


Fig 27: vegetation of Takdah



Fig 28: vegetation of Lamahatta Eco Park

<u>Chapter – 5</u> WATER QUALITY **ANALYSIS**

Sample collection:-

The water samples were collected from Riyang River, Jogighat, in Mangpoo cinchona plantation, West Bengal. For alkalinity & hardness and Co₂ determination& plankton analysis was done at the spot.

Sample preparation:-

The collected water samples were filtered through filter paper for purification.

Sample analysis:-

≥ Plankton analysis:-

* Requirements:

- 1. Compound microscope.
- 2. Slide and square cover glass.
- 3. Standard dropper
- 4. Manual for plankton identification

* Procedure:

- 1. The concentrated sample was shaken and put quickly one drop on a clear slide with the help of a standard dropper.
- 2. The whole drop was carefully covered with a care glass.
- 3. The slide was put under microscope and one edge of the Cover glass focused.
- 4. The planktons were counted species wise by moving the slide with the help of movable stage to the other edge.
- 5. The slide was shifted to other edge for a new field.
- 6. The process was repeated or the path parallel to the earlier one but in the reverse direction.
- 7. In this way the whole cover glass was observed.
- 8. Similarly, at least 5 drops are observed for proper planktonic enumeration.

* Result: Volume of original sample= 100ml

Total volume of concentration sample= 5ml Volume of drop = 0.05 ml

(Table 1)

SL.	Types of planktons	No. of plankton in 1 drop [0.05ml]			No. of planktons In 5ml	Load / lit A×I/L×N/V
		1 st obs.	2 ^{na} obs.	mean		
•	PHYTOPLANKTONS					
a)	Anabaena	0	1	1	100	1
b)	Volvox	0	1	1	100	1
c)	Prochlorococcus	3	0	2	200	2
d)	cyclotella	0	2	1	100	1
•	ZOOPLANKTONS					
a)	Brachionus	1	3	2	200	2
b)	Macrothrix	0	1	1	100	1
c)	Daphnia	4	6	5	500	5

Total phytoplankton load in pond = 5/lit

Total zooplankton load in pond = 8/lit

Total plankton load in water = 13/lit.

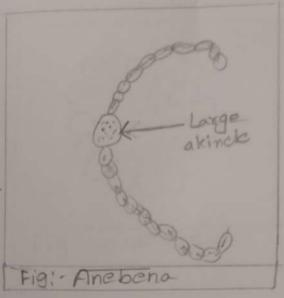
Identification of some common phytoplankton

Specimen no.1:

Identifying character:-

- 1) Interspersed enlarged spores are found.
- 2) They have barrel-like cells.
- 3) The latter resembling a closely related genus, Nostoc.
- 4) The colonies are of different shapes and size.

Hence, it is an Anabaena.

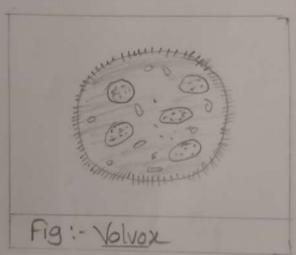


Specimen no. 2:-

Identifying character:-

- 1) A single colony of its look like a ball.
- 2) Individual cells are spherical in shape.
- 3) They have a cup- shape chloroplast.
- 4) The cells has a nucleus, vacuole and an eyes spots.

Hence, it is a volvox.

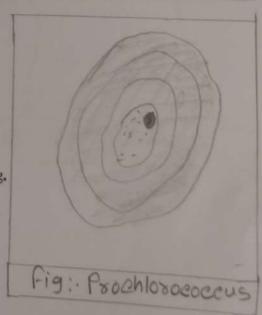


Specimen no.3:

Identifying character:-

- 1) They are very small in size.
- 2) This are coccoid shaped cells are non-motile a Free-living.
- 3) They have unusual pigmentation (chlorophyll a2 and b2).

Hence, it is a Prochlorococcus.

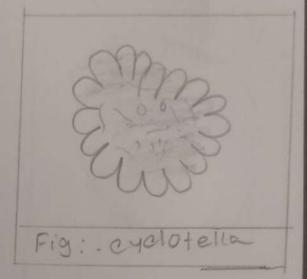


Specimen no.4:-

Identifying character:-

- 1) It is a small centric diatom.
- 2) It the valves are short and drum shaped.
- 3) Different patterns are seen.
- 4) It sometimes covered by spines or granules.

Hence, it is a cyclotella.



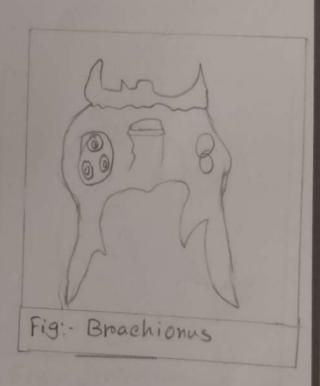
Identification of some common zooplanktons

Specimen no.1:

Identifying character:-

- Anteromedian spines have broad base, posterior spines are often present.
- Lorica is smooth and transparent; appears as one piece.
- Posterolateral spines, anterolateral dorsal spines, anteromedian dorsal spines are present.

Hence, it is a Brachionus.



Specimen no.2:

Identifying character:-

- 1) Over shaped body.
- 2) Head in not separated from the body.
- 3) Eye is very large.
- 4) Two large spines in the middle and small spines on dorsal surface are present.

Hence, it is a macrothrix.



Specimen no.3:

Identifying character:-

- Bilaterally compressed body enclosed in a transparent carapace.
- 2) Sharp posterior spine in present.
- 3) Rounded head bears large biramous antennae.
- 4) Large, single, huge eyes is present.

Hence it is a Daphnia sp.



≥ Estimation of Co2:

* Reagents:

- 1. 0.05N NaOH Dissolved 2gm NaOH in 1L of distilled water.
- 2. Phenolphthalein indicator 0.25% solution in 60% ethyl alcohol.

* Procedure:

- 1. Taken 10ml of the water sample in conical flask.
- 2. Added 2-3 drops of phenolphthalein indicator. But it remain colorless.
- 3. Then the sample titrate with 0.05N NaOH solution.
- 4. At the end point a pink color appear.
- 5. At last, calculate the free CO₂.

* Result :(Table 2)

NAME OF THE SAMPLE	VOLUME OF NaOH USED IN TITRATION(ml)	MEAN VOLUME (ml)
WATER SAMPLE 1	0.6	
WATER SAMPLE 2	0.7	0.7
WATER SAMPLE 3	0.8	1)

* Calculation:

いっとうとうとうとうとうとうとうとう

Where, S = Water sample was taken,

N= Normality of NaOH,

R= ml of NaOH used,

Equivalent weight of $CO_2 = 12 + (16 \times 2) = 44$.

Free Carbon-Dioxide in mg/L = $(R \times N \times 1000 \times Equivalent weight of CO_2) / ml of sample taken$

$$=(0.07\times0.05\times1000\times44)/10$$

= 15.4 mg/L

≥ Estimation alkalinity of water sample:-

- * Requirements: Glass wares -
- 1. 100ml conical flask 2. Pipette
- 3. Measuring cylinder.

* Reagent

- 1. HCl [0.01(N)]
- 2. NaCO3 [0.1(N)]
- 3. Methyl orange indicator
- 4. Phenolphthalein indicator.

* Procedure:

- 1. 1.50 ml of sample was taken in a conical flask and two drops of phenolphthalein is added color of the sample changes into pink.
- 2. It was then titrated with 0.1(N) HCl until the color disappear. The end point was noted.
- 3. Two-three drops of methyl orange was added and titration was continued.
- 4. At the end point, color changes yellow to pink. The end point (TA) was noted.

* Result:(Table 3)

NAME OF THE SAMPLE	VOLUME OF HCL USED IN TITRATION(ml)	MEAN VOLUME (ml)
WATER SAMPLE 1	0.33	
WATER SAMPLE 2	0.34	0.34
WATER SAMPLE 3	0.35	

* Calculation:

Phenopthaline alkalinity = $A \times (N)$ of HCL $\times 1000 \times 50/20$

Total alkalinity = $0.34 \times 0.1 \times 1000 \times 50/20$

=0.34×0.1×2500

= 85 mg/L

≥ Estimation of hardness:-

- * Requirements: Glass wares -
- 1. 100ml conical flask
- 2. Pipette

❖ Reagent –

- 1. 0.01(m) EDTA solution
- 2. Buffer Solution (NH4Cl.NH4OH at pH 10)
- 3. EBT indicator (Eriochrome Black T)

* Procedure:

- 1. 50 ml of sample taken in a conical flask and added 1ml of buffer solution.
- 2. 1-2 pinch of EBT is added on the solution and the solution turn wine red.
- 3. The content was titrated against 0.01(m) EDTA solution.
- 4. At the end the color changes from wine red to blue.
- 5. At last, the reading at the end point was taken.

* Result: (Table 4)

NAME OF THE SAMPLE	VOLUME OF EDTA USED IN TITRATION(ml)	MEAN VOLUME (ml)
WATER SAMPLE 1	0.6	
WATER SAMPLE 2	0.7	0.7
WATER SAMPLE 3	0.8	15 S S S S S S S S S S S S S S S S S S S

* Calculation:

Total hardness=0.7/25×100

=28 mg/lit

Since, Soft water: less than 75mg/lit

Moderate water: 76-150mg/lit Hard water: 151-300 mg/lit Very hard water: >300mg/lit

Therefore, sample water is soft water (i.e. 28mg/lit)

≥ Estimation of Nitrate:-

* Requirements:

- 1. Phenoldisulphunic acid
- 2. Silver sulphate solution-dissolve 4.4gm Ag2so4 in distilled water & dilute to 1000ml.
- 3. Nitrate solution
- 4. Liquid ammonia

* Procedure:

- 1. Take 50ml sample in a conical flask.
- 2. Add an equivalent amount of silver sulphate solution to remove chlorides.
- 3. The solution was slightly heated & filtered to remove the precipitation of silver chloride.
- 4. The filtrate was evaporated to dryness. After cooling 2ml Phenoldisulphunic acid was added to dissolve the residue & diluted to 50ml with distilled water.
- 5. 6ml of liquid ammonia was added to develop a yellow colour. The reading was taken at 410nm using spectrophotometer. The concentration of nitrate was calculated from the standard curve.

* Result: (Table 5)

NAME OF THE SAMPLE	READING AT 410nm USING SPECTROPHOTOMETE	MEAN VOLUME (ABSORBANCE)
WATER SAMPLE 1	0.078	
WATER SAMPLE 2	0.079	0.079
WATER SAMPLE 3	0.080	

≥ Measurement of pH:-

* Requirements:

Instrument and glassware:

- a) Digital pH meter
- b) Beaker-250ml-3 pieces
- c) Glass rod-1 pieces
- * Reagents: Buffer solution- pH4, pH 10

* Procedure:

- 1. The instrument that is digital pH meter is switched on at least 30 min before use.
- 2. Buffer solution of pH 7.0, 4.0 and 9.2 are prepared separately with specific tablets or with double distill water.
- 3. Prior to use the electrode is washed with double distill water.
- 4. The electrode is then immersed into the buffer solution of pH 7.0 and kept for at least 60 sec. If the display value is 7.0 then it is ok, otherwise the display is adjusted to 7.0 by adjusting the calibration nob.
- 5. The electrode is removed from buffer solution of pH 7.0 washed with distilled water soaked with blotting paper and further dipped into the buffer solution of pH 4.0 and 9.2 sequent following the same procedure.
- 6. During immersion into above buffer solution separately the lower range and the upper range of desired range window is set by adjusting the slope nob.
- 7. The instrument is now standardized and ready for pH measurement. The instrument should not be disturbed by selecting the observed and the figure displayed in the display system is noted down for future reference.
- 8. To measure the pH of unknown solution the electrode is immersed into the solution. The display system displays the value of pH directly in pH mode.
- 9. Every time the electrode must be washed and dried before measurement of separate unknown solution. By adjusting temperature control nob the temperature of the solution is adjusted.

* Result: (Table 6)

NUMBER OF THE SAMPLE	pH METER READING	MEAN VOLUME
WATER SAMPLE 1	7.4	1 2 2 2 2 2 3
WATER SAMPLE 2	7.5	7.5
WATERSAMPLE 3	7.6	

➤ Estimation of inorganic phosphate:-

* Requirements:

- a) Ammonia molybdate solution-dissolve 25.0g of ammonium molybdate in 175ml of distilled water.
- b) Stannous chloride solution-dissolve 2.5g of stannous chloride in 100ml glycerol by heating on a water bath for rapid dissolution.
- c) Standard phosphate solution-dissolve 4.388g of dried anhydrous potassium hydrogen phosphate K₂HPO₄ in distilled water and make up the volume to 1 liter.

. Procedure:

- a) Take 50ml of filtered cleared sample in a clean Erlenmeyer flask. If the sample contains colour and colloidal impurities, they can remove by adding a spoonful of activated charcoal and then filtering the sample.
- b) Add 2ml of ammonium molybdate followed by 5 drops of SnCl2 solution.
- c) A blue colour will appear. Take reading at 690nm on a spectrophotometer using a distilled water blank with the same amount of the chemicals. Take the reading after 5 minutes but before 12 minutes of the addition of the last reagent,
- d) Find out the concentration with the help of the standard curve.

* Result: (Table 7)

NAME OF THE SAMPLE	READING AT 610nm USING SPECTROPHOTOMETER	MEAN VOLUME (ABSORBANCE)
WATER SAMPLE 1	0.028	
WATER SAMPLE 2	0.029	0.029
WATER SAMPLE 3	0.030	

(Table 8):-

S.No	Parameter	Method	Reference	
1	Planktons	Drop count method	RamachandraT.V &Solank,M. (2007)	
2	Co2	Titrimetric method	Karadöl, H., &Kamalak, A. (2022)	
3	Alkalinity	Titrimetric method	Face E.W, Bridgewater, L., & American public health association (Eds) (2012)	
4	Hardness	EDTA method	Roy, R., & Majumder, M. (2018)	
5	Nitrate	Spectrophotometric method	Lim, H. S., Choi, E., Lee, S. J., Nam, H. S., & Lee, J. K. (2022).	
6	pH	pH meter Orouji, AbbasiMoayed, Ghasemi, F.,&Hormozi-Nezhad, M. R. (2022) &Hormozi-Nezhad, M. R. (2022)		
7	Phospahte	Spectrophotometric method	Mihajlovic, R. P., Kaljevic, V. M., Vukasinovic, M. P., Mihajlovic, L. V., & Pantic, I. D. (2007)	





Fig 29: Water sample collection



Fig 30: Plankton collection



Fig 31: Co2 Determination



Fig 32: Co2 Determination

Chapter - 6
DISCUSSION

Common Flora and fauna:

In the study, we also identified various types of common flora like pipe, cinchona and also thousand types of flowers Like Bergenia Ciliata, Billygoat weed and China rose etc. Different types of population of animal life in this particular region are also found like saanen, goat and Kokoni etc. But previous study of DTE staff, (26-Sep 2012) revealed that the climate change is adversely affect the flora & fauna diversity.

Lamahatta offers us beautiful natural attractions Lamahatta eco park is a man-made park which shows the afford of humans to conserve the biodiversity. The Eco Park is shadowed by a forest of tall dhupi and pine frees, with shrubs of colorful seasonal flowers.

Latpanchar, is known for its huge verities of bird species. It is a main hotspot for seasonal bird's Almost mound 250 species of birds are available in and around the village of Latpanchar including Rufous Necked hornbill. This village is also a part of cinchona plantation area.

Waste Management

The Common waste generated from the household activities of the villages are solid wastes including plastic pockets, paper boxes, plastic bottles, glass bottles, discarded electrical appliances, old clothes, vegetables waste etc.; liquid waste is generated from household activities. Like washing clothes, utensil, washing & cleaning of vehicles, etc.

Vegetable waste as used as little fud and for preparation of organic manure, solid wastes are collected in bins & are disposed by burning every house burn all the solid waste once a week. The unburned materials are buried in adjacent to the house burial of bottle & Plastic packet may have detrimental effect on the local ecosystem and biodiversity. There is no waste management system developing for carrying, segregating transporting & get the waste in the village. There are mainly two ways of waste management are done. Which are namely open burning & landfill however open burning of the waste, specially the hazardous one release toxic gases such as CO2, CO, nitrogen oxides, hydrocarbon which effect the sensitive ecosystem of these areas & Can forest effect the inhabitants as well.

Landfill also are not done in scientific manner in the area, which produce CQ & water vapor and trace amount of oxygen, nitrogen, hydrogen of man-methane organic compounds. If not controlled than these, e gases can also contribute to climate change and create smog.

Rocks:

In hilly areas the rocks is available in three classes which are igneous, metamorphic, sedimentary. We have also identified some common rocks like quartz, serpentine, granite, Marble bas and basalt in river side of Riyang.

Water bodies:

In hilly areas the water is available in 3 forms like surface runoff through roof- tops and flow from natural water-springs. There were two main water bodies we visited namely Teesta River and Riyang River Teesta Valleys provides livelihoods for the resident along it entire length and is rich in biodiversity- Through our study we came to know that due to high pressure presences of co, there is no aquatic life in Riyang River. But previous study says that seasonal or annual Vacation in the availability of fresh water may at times cause water quality degradation in Teesta nave. (Islam et al., 2010)

Forest:

The four major types of forest are mainly found in hilly areas these are tropical evergreen, Subtropical, Temperate and sub-temperate forest we have seen a numerous members of line and Cinchona trees. From previous studies we came to known that many doing have been developed from herbal sources. Cinchona can cure various health problem like malaria. Cinchona has dose and time dependent side effects. However, the toxicity of Cinchona is dose depend. Therefore, it is necessary to develop a new drug for with no or few side effect. (Gachupin, G., Garner, P., Ferroni, E., Tröhler, U., & Chalmers, I. (2017))

Chapter 7 Conclusion

In my opinion the objective of the tour has been achieved. We learnt a lot about the team spirit while interacting with each other, learnt about team management and also learnt how to manage the crises and adapt to various odd situation. The study visit benefited us to analyses and understand the multifaceted life and culture of the people of the area of Sitting and Takdah. We met many people in different walks of life in the area. On one side we can see the domination of Tibetans (whose source of income is not revealed) but on the other side the average locals whose main source of income is either from tourism or from the family members working in Army or elsewhere.

The water sample we used was taken form Riyang River at Sittong. Surface waters normally contain less than 10 ppm or 10 mg/L free carbon dioxide. But the free CO₂ in our sample is 15.4 mg/L which indicates that CO₂ content is very high and CO₂ is a limited factor of aquatic life. When co₂ concentration rises, the oxygen concentration in water containing organic matter is reduced. This high content of CO₂ does not support aquatic life because to take oxygen, fish must discharge co₂ in their blood stream at first. So, if fish will survive, the rate of growth and reproduction will be poor.

From the general study of geomorphic and environmental scenario of the Riyang River it has been observed that the river is being faced different problems. The identified problems are environmental hazards, deterioration of ecological balance, hydrological disturbances and land use problem.

Following recommendations may be suggested for the whole management environmental hazards

- Steps for landslides management
- · Soil erosion management

0000000000000000000000000000

• River bed siltation management

Considering eastern Himalayas as a 'bio culture hotspot' may be useful in understanding the dynamics and complexity of the landscape. It is a challenge for ecologist and environmental scientists to ensure that modernization of the native cultural values in the Eastern Himalayas takes place through a careful, step-by-step transformation. The aim should be to provide lasting and synergistic benefits for the local population in rural and semi-urban landscapes. The people of the Eastern Himalayan hamlets like Latpanchar are gradually realizing the importance of protected areas and are willing to engage in the decision-making process. Bringing local populations into protected area management will also have a significantly positive impact on long- term conservation of the Eastern Himalayan landscape

Chapter -8 REFERENCES

- 1. Hudak, P. (2003). Campus field exercises for introductory geoscience courses. Journal of Geography, 102(5), 220-225.
- 2. Scribner-MacLean, M., & Kennedy, L. (2007). More than just a day away from school: planning a great science field trip. Science Scope, 30(5), 57-60.
- 3. Tal, T., & Morag, O. (2009). Reflective Practice as a Means for Preparing to Teach Outdoors in an Ecological Garden. Journal of Science Teacher Education, 20(3), 245-262.
- 4. Bhujel, R. (1996). Studies on the dicotyledonous flora & fauna of Darjeeling district.
- 5. Islam, M. S.; Suravi & Meghla, N. T. (2010). Investigation on water quality in the Ashulia beel, Dhaka. Bangladesh Journal of Fisheries Research, 14(1-2): 55-64.
- 6. Rehman FU et. al.(2020). Chemistry of plant-microbe interactions in rhizosphere and rhizoplane. Indian Journal of Pure & Applied Biosciences, 8(5):11-19.
- 7. Dutta, N., Ghosh, A., Debnath, B., Ghosh, S.K. (2020). Climate Change in Hilly Regions of India: Issues and Challenges in Waste Management. In: Ghosh, S. (eds) Sustainable Waste Management: Policies and Case Studies. Springer, Singapore.
- 8. S. Sathyakumar, (2018). Climate change affecting the flora and fauna of the high Himalaya: a case study. Dehradun-based Wildlife Institute of India (WII). 2(7): 526-629.
- 9. Bhujel, R. (1996). Studies on the dicotyledonous flora & fauna of Darjeeling district.

- 10. Ramachandra TV. & Solank, M. (2007). Ecological assessment of antic water bodies of Bangalore. The Ministry of Science and Technology, 25, 06.
- 11. Face E. W, Bridgewater, L., & American Public Health Association (Eds) (2012) Standard methods for the examination of water and wastewater (Vol.10) Washington, DC: American public health association.
- 12. Charak & sushruta, Pushpangadan (2017). Ethnobiology in India- A Status Report. All India Coordinated Research Project on Ethnobiology. MoEF, GoI, New Delhi, 1995.
- 13. Bartelmus, P. (2009). The cost of natural capital consumption: Accounting for a sustainable world economy. Ecological Economics, 68(6), 1850–1857.
- 14. Karadöl, H., & Kamalak, A. (2022). Development of new two methods based on low-cost Sensors for determination of calcium carbonate contents of soils. Pakistan Journal of Agricultural Sciences, 59(6).
- 15. Orouji, A., Abbasi-Moayed, S., Ghasemi, F., & Hormozi-Nezhad, M. R. (2022). A widerange pH indicator based on colorimetric patterns of gold@ silver nanorods. Sensors and Actuators B: Chemical, 358, 131479.

- 16. Lim, H. S., Choi, E., Lee, S. J., Nam, H. S., & Lee, J. K. (2022). Improved spectrophotometric method for nitrite determination in processed foods and dietary exposure assessment for Korean children and adolescents. Food Chemistry, 367, 130628.
- 17. Roy, R., & Majumder, M. (2018). A quick prediction of hardness from water quality parameters by artificial neural network. International Journal of Environment and Sustainable Development, 17(2-3), 247-257. 18. Arnold Thackray & Minor Myers, Jr. (2000). Arnold O.Beckman: one hundred years of excellence. Foreword by James D. Watson. Philadelphia, Pa.: Chemical Heritage Foundation. ISBN 978-0-941901-23-
- 19. Mihajlovic, R. P., Kaljevic, V. M., Vukasinovic, M. P., Mihajlovic, L. V., & Pantic, I. D. (2007). Spectrophotometric method for the determination of phosphorus in natural waters using the bismuthphosphomolybdate complex. Water SA, 33(4), 513-517.
- 20. Everett-Heath, J. (2017). The concise dictionary of world placenames. Oxford University Press.
- 21. Sharma, J., Middleton, T., & Shneiderman, S. (2018). Himalayan Darjeeling and mountain histories of labour and mobility. Darjeeling Reconsidered: Histories, politics, environments, 27-53.
- 22. Philip, K. (2004). Civilizing natures: race, resources, and modernity in colonial South India. Rutgers University Press.
- 23. Mandi, S. S. (2016). Natural UV radiation in enhancing survival value and quality of plants. Springer India.

- 24. Sarkar, S. (2020). Let There Be Light: Engineering, Entrepreneurship and Electricity in Colonial Bengal, 1880-1945: Engineering, Entrepreneurship and Electricity in Colonial Bengal, 1880-1945. Cambridge University Press.
- 25. Gachelin, G., Garner, P., Ferroni, E., Tröhler, U., & Chalmers, I. (2017). Evaluating Cinchona bark and quinine for treating and preventing malaria. Journal of the Royal Society of Medicine, 110(1), 31-40.

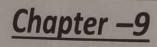


Photo gallery



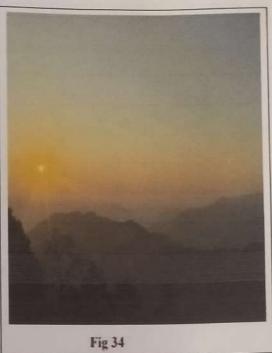


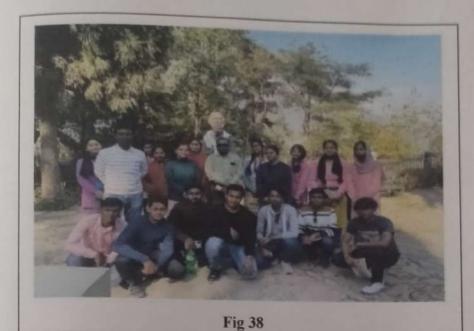




Fig 36



Fig 37



THANK YOU

S.R FATEPURIA COLLEGE



NAME: ARKA MANDAL

REGN NO: 067642

COLLEGE ROLL NO.: 2453959

ASSIGNMENT ON ENVIRONMENTAL STUDIES

CLASS: B.SC 1ST SEM (MATH HONOURS)



Claration of Ozone box 2700 Harry मिन्नियीश- यादीम अप्तिश- विक्रिय) एड्रिंग- शिल्मित लिल्मा-मूलक खाद्य धनन माधाय क्रिकान जाम क्रमकृत क्रिका मिन्निम्मकारी एडर 12-30 km निक्या आही अव्याल योगिन र्य प्रशु- मियपूर्व क्ल्या माय्-, लिस्ट्रेन & शिकाल फ्रिय याूला

नि विद्याल हिद्दिश्व येस्ट्रिन है-

3) अविमान रहरी- अमिर एएए रिक्योन देखित विमासन कर्मेत स्थित मस्मिक विशान कार्री । हिन्द त्यार व्याकिक हिनान सम् यीचा। के तेश अमिली आमें अन्यादि रियाय दिखेत बढाती कार रिजारिश निकर क्येंदर ।

मि विकास किया निकाम / अधीतिय कार्यस है - यामें सक्षीमरी अधियात एउंद दीर्वस खिलान विद्यालाकार्त कार्ताल मेल मेर्ट-व्ययन् । यन्ताः -

- (क) ख्राध्यकिक प्रभवता ।
- (M) अर्थित सि अप्रेस ।
 - (क्या कार्य करतात है विकार महत्ते शिवाश्मीवर्ध वरका स्वती audien styl oral -
- @ युष्पणाङ
- @ Organor
- @ Butellin-surviteren esystem

मि अधाव त्रीयंत- डिमामीयत- अक्षांत - डिकामीकिं क्रिका-Eredoniy- 1240 Zuller ash Carlow Bulguerillair Coul- Collection क्राक्त ते. शुर्क उतिरीत किक्ते अक्रंब एटिक द्विकिक साम्ता दिस्थ And man किया किया किया के उपन कर के

त्यार्कि की जा - कार्य पार , यह पार , वर्ष कि नार्य हरू Eyenin Baren rest bester upp Stiller 1

- मि जिल क्रियमिल निष्णेय निष्ण नामाधारिक विक्रिया १- अस्टि वर्जान विश्वित त्यारीत त्यारीत त्यार हार्य दिलीय हमक्रीयल हम्बी क यतंत्रावी द्वाराव इस्रि। 03+ UV -> 02+0
- (m) मर्नित स्थि- प्रारीस 8- अवाल- १९९५ डिमाश्राक्षितं सिर्हाल स्थाल-भनीते मेही अधिक अभिक् देवाक प्रामी- 1 पत्रीत रत जिलासण १-
- @ Last Barlan Saran (GEG) रक्षाक्षा दिलादिया करात्रांस (CHC) या क्षियुक्त (क्रिकी) स्थिति प्रीका या विवाल कुन्ने क्रियाक्षीकरं त्ये क्रिक्रवतीत सामेत्रे क्रिक्शंतीकरं zperr - OFC -11 (efe13); CFC-12 (ef2e12); CFE-13 lefeelefeel)

1802 Elleria with Entre extendences and Porter General Compartingles अवीता त्दर्त अर्था में त्या सार्य- क्यी होता। लिक्यी- प्रक्रामारी - क्या में का Ald are you glave wells Ralo (43 this, with our supple 5452

03+01702 +0+01

GEC gests- (siterallips, and sugarend sidered sugar क्षिया, क्राक्सिन्देरान ए लकाहा महिन्दा नार्यान व्यविकान वाद्य (क्किटा विमीक GEG स्थिए कर्रा । वक्रकार क्षेत्रकार्तकाराक सायकार्य an trans sulan Equil. Quantil- suismundi sid upling. ना ननंत्रिक क्षिकी चामारीयुर किस्मितंत भारतीश प्रात्मिनीयंत Tämber some Golde tergren suler!

(b) नार्द्रतिम एकप्टि १ - अदिमान कार्यान्त कार्यान कार्यान कार्य वर्षित येंकि में ने नार का उद्याप िल्पाणिय दिला रियर-1

सिरेस ६ — क्यमिकशक साउमर्पपुक सार्वात कारकात माय-याण्य , तिल्य किन्य प्रप्रि।

-) व्यादिशिविक स्मर्थाद्वत (NO)!- विकास कुट्टी खियाक्यीयं किर्मात् सामी-अत्यतं व्यापु येताव्य-वंष्- दियाताय क्रिया चार्यक्रियावा हाट्याव्य । फिट्ट है- दिसी विभान
- व रियामिन मर्थान ६- व्यालान मिय व्यत्निमेश नाभित रियोक 1युद्री- क्षिमभूका यज्ञाभावीता अस्ति बहन। त्यून रिझाभूका यज्ञाभारी 3 किंग्स अध्यायार क्रियान उत्पर्गाया के क्रिक रेस

किस्ट- अस्तिकामान अका।

- आबारणीडांदा प्रत्या ६- अधियान त्रुतं श्री हिर्धत स्वार्गिन स्वारोधन स् मेथिले अदि। साम्मालंत काषाह क्षिण संगम्। मुक्ता - यथाना आका आवार आवाराज्य विमान भिष्ट रिक्रों।
- A Blace non Injenentaria Alera? Ha auter Esta Bourd ल्हांत स्ट्रेसिंग- विकात अभूरिक अनुवासीता आसा कुर । अप्रिंगिल्य। क्रिके खानेला क्योंनीला लीवावा नहते क्योंनेत क्यांनील स्पाद रिवर्थेल क्षण मैं कार्य नीक सीक तीक शिक्ष क्षिण अधि में में जीक della 1
 - (12) आक्रिय @ खिळाल हमान्य हमां हिमां दिवात ह-
 - व) द्वांत्र- स्विल्वारी क्रमण्ट साम पार्वा।
 - P) (शिक्त त्याल अवेरित)
 - 6) सुक्या क्याक्ष्मतं क्यार Cyapien दिवास क्यानि क्रिन्टि क्रिन्ट्रा क्रीता।
 - व) त्याचा- बायोदन- भिकार त्याक्षाक्ते- शिक्षीक द्वारी त्याके।
 - 3 ARREL 28 MOL BUT ANA 1
 - f) sie enil sur alla)

- अ किए-दिन्तीय है। सिहार है-
- P) र्जामान तराद एकांग) सर्गिकत व्यानेमाथ द्याम द्याम स्थात
- ८) श्रीकृत फिल्फा कि निष्ठ निष्ठ निष्ठ
- () केंद्र भाइ कि। त्यारित श्री करता करता स्थारित विकास स्थार्थ क्यार्थ क्यार्थ स्थार्थित स्थार्थ
- 6) सिल्हीरंत- Quara 2 20 डे. क्षिय क्षिय द्यार कारिय
 - S) मिह्नीयाणय रिपय टामय इ-
- @ साक्षाक्य अप कमामिटिक्यी अधावस्मान अधावस
- करिता।
- ि त्रिक्क किसापन ज्यानिक शुरा ।
- d) कीय विकि व्यवन श्राया

मिट्टामा है विकाल किया त्यामावलीमा किया किया किया किया है। या उभेरण्या सक्सिक् सम्राद्ध रिमित्र एएयय विस्त सिरिट्स क्रिक् रिल्म प्रिक्षाक्ष । यामुमक्षिय राम प्रिकेट जाज असिक्ट एडि। सिकारा छिकाल क्षिण्यांत क्षिण्यांत क्षिण्यांत क्ष्यांत्र विख्निहाँ महि २०२५ साम मिन कि पहल क्षेत्र क्षे व्याद्रमा ठीत तुर तहिंदेश क्षाक्रिका स्थित व्यान्ताही वादाक्का भाडीरबधा जिल्हासाद्वा क्रिक्स विद्याला माहगीश क्षिय क्रीडिंग प्रिमिलिंड लग्ड वहा खरा खरा है। हो मार्थित कि अद्यु छ अरिट्स क्रिंट क्रींट क्रींट

क्रिकार मार्थियार याम् मस्ताला मारी जानेहियार मार्थिर समारिका मन्त्राच आर्थित है अरी त्या क्रीडीकीत व्यावुरायाचा क्रावीत उधान लाए सारीशन लाय यारे हिसन याला अरे यारे हिसन मार्थन उ खते अर्विविधित दुत्रज्ञ विभुक्त प्रकार अर्विक्यांत्रक सेबारा जिल्हात करिता। क्षियतत्त्र प्राप्ति क्षितित त्युर क्ष्यिताक विवात विगीत दीस्र वाअसंती अने अमुवा अमेहत्य में आय 3) Show 25 Se Surver 52/1

ग्राम् म्यंन निम्क्य ह अप्टिन कार्यराही क्या सामू म्यंन द्रमारी अवादं खन) जिन्ति । जिनि । हो सिरी हि क्यारिन आर्थेस स्थित है वा विमाय अदी लाकान् वारंगादी । उपाम्प्रमती प्रिरीय आहेर मिन्ना अनेक्टिया सुक्ति । वहा द्वितिया आर्री में में प्राथम अवूर प्रहित्य अध्यादेह याद्रीरी खेंडमान जवातं चाहार वाकु व मेंडमार क्रिया SIEVEZ /

- ण जिल्ला का जाराय है यह आर्थ काराया किये? sumenia Jarre seither apporter enterple ethilir 1 alestic आष्मिकांत अब्हाय अर्थपांत योजनात याहा टा र्शपण उथ्हें लिसिएक । बद्रावाह अक्ष जुक्रीय क्ष विक्रिया के उन्ने अया दाहिए।
- @ ज्यार्थारीकेट कारि द्विकिंड क्षेत्रज्ञाई प्रधारीकेट कारिकेट कारिकेट रिस्ता यीय कार्दिशिक लाक्षायिक लाक्षायिक अपदिश्वीयक कार्यारित आसीरिया अभ करोता आही त्राकारी सिक्षी वाके दिवाकी दिवाकी दिवाकी क्रिंग, यनित्रियर रे त्याप्त व्याप्त क्रिंग्य क्रिंग्यी क्रिंग्यी क्रिंग्यी क्रिंग्यी gazing - lander, intog grammain seath outher sulfer -Lydral Colle LaDs gramber shar Exercisty- Alleg. खिथिए र्यंत्रा क्ष्युंट विकिशित आहे. येत्र सेत्र कीरिय क्ष्यारा (मिप्राल एड्डीके मिया निक्र हाला डाइयकार करूरा किछे । काइक वरी किल यात्रवात कारीहै। सिमा क्रिक सिसिल यात्राही क्षिया वीवय। त्यांत व्ययप्तीक क्षिया क्षेत्र विद्याप क्रिकारि दिलीतार्थित अध्यदि जानाताता वादि वाद्यानी केरी विधावता।

ही यारा माहाकायील कारी- मस्मक्किया क्यारा है- यारा मिंग्रिक्टर राम्पी स्थिति रामिकी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति MASI - DELLOY COLLEGE DOUGH LOUNG GILL CONTR. 25 28 क्ष्यातीय में जार अर्डारी खनी यांत्रकाराज श्रीत रेश्यात दिवासी यक्षणानि क्रायकारी विकल्पिताया। त्रि स्थार हाम क्राक्ति मारी हिमार दिस्तामिक क्ष्मान क्षी क्षामाना विमान स्पीत क्रिक्सील में में मादि क्रिन समाद सक्न क्या क्या क्या abiside sille sturber 318 rough alle 25/28- Prosin व्याउत्न ।

- (१) मुक्ट व्यापन १- यामे सेमन अमेर्या करीयदी व्यकी रोडी सकारीर येश्रीनाथन अहीर लाकपर क्वीमालका। याहीन यहार उम्हिस यही शिव यारी मित्रक खोलिक क्षित्रक स्थित वडाई सेक्न कथा मैं जिडिक भावा, ह्यूक्रम, क्रांद्रि उत्तीर्ड इताल्या प्रकारति अवूत क्रिक्र ग्रामें में विकित अदावा व्यक् शिर्यकत विप्रास्थ करें वितं क्या क्रियों पड़ रियायावा भिरित योमेरिक सिमध्येरित न्यातारित साहतारी अपडीत।
- (१) स्रियम याशाह्य प्रधानीय प्रथिष है आनू मान कीरान गालाह खनाली- श्रीस्त्रितिक जारीष्ट्रहा जारीष्ट्र वाम् मृत्रव निष्व्ये करूत स्वक्त । भाग सम्प्रा नाया मानव न्यासा किया है। कान रक्ता भी कोरी स्वे मार्चीपिक म्यन खाजेकाशे इम्मिला इमिन क्या है। विश्वस्त आका द्यान मीयत दिस्तरं न हियान मार्डी भ आसे मिप्रिकि आवारिक त्यिकार क्याबित अभ रही। हार्रित (

हे जिलान याया है किया है निर्मा है न मार शर्मकाविडी क्रको साडी कर्ल्येष जातारी होंडल अन्ता गाडी

मित्र केश करेंगत त्रिक्षक क्रिमिनिंग मन्त्रा सकरा क्रामिस स्था निर्मेन भी STAL MALI

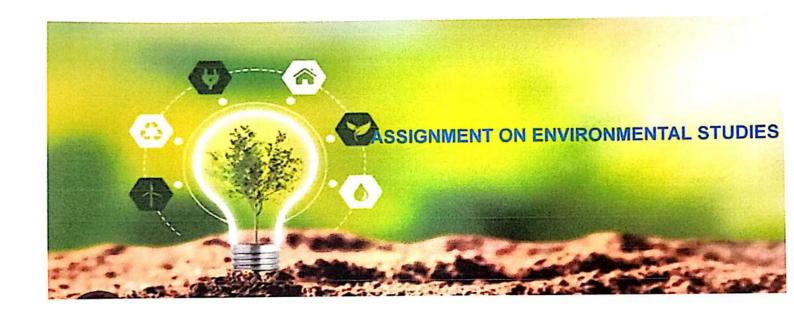
शिक्ष सर्य द्वीसार्वाथक तत्त्रम् म्यानुकार्त्य व्यक्ति वर्ग व्यास्त्राध्य प्राधित होडीर विग्राह्म प्राधित विद्धित क्रीयक्षा करीर क्रियेश्या

Way wish मुक्ति कारे प्राथत करिय निक्य निक न्यारे अधिक with ask letolet assistana, souler menten alsives souler भा अटक सकरीय प्रकार जिल्हा कारी वा अधार करह अधारा 3400 Sus (2- 31 52)

ही यि हिन्न पानवाण्य ज्या वाउर, त्राक्षेत्र, विकेन्द्र क्रिश्वाद्वा क्रिक्षेत्र कारिया जारी कुत्रासी (ब्रासेर अध्यम् अधिय- स्थिय- स्थायन स्थायन स्थायन yearlow salines. I

SewnarayanRameswarFatepuria College

Beldanga, Murshidabad-742133



Name: ANUPAMA GHOSH

CLASS: B.A PROGRAMME

ROLL NO: 2451019 REG. NO: 065585

SESSION: 2022-2023

PROJECT ENVS

Roll -> 1220220

Registration Number > 065346

Name -> Saima Sulfana





(4)-96 on an ora 3 robyes (2)? (i) - Page - 05-07 (ii) -ong by-(iii) - एम्प्लिक्स (स्य - यो स-(iv) -(agg = (V) - Johnson = (nj) — श्रेथ्गेशंध=

बागुरुधन न्यने हैं ?

** अभिन्न न्यानिस्थित द्वारे Courter श्लि इस कि 1) - Laged = souteneuri = 18/2 3 menter souther oduruly - किरान अविक अपन । - किरान अविक अपन - कार्याक अपन अपन अपन

soilo sta sus gou enelle digi soile stal मा उत्पर्धावित्व - विवित्वत् विक्रिस व्यालिस वा अविदेशन उथिए क्षिटीय क्षेप्ट क्षिटी

3000 - 1000 July 20 - 2000 - 2

13- Lingua - Sousse forder - Cost Lormans with -272-1 11) -2514 3 LANG 2419 2405 340,2 1012-3013001 (02/51) M) -क्षिर्धणके सुद्रियास्पर्य - ब्रेडकार - क्ष्मादि कर गादि कर The share Lensour - Colle she she X) Brown - 10 Color - COSUS - Conductur selforco 1/2 - Com 413/32/01

** 到到了明 ~ **

The state of the s

** - post loci- orlangen ?

19733mong 2-20 200 colling 24 10300000 2007-

D-oughter = & -power-contentate त्य हम्पार्थ न्या क्या क्या कार्या क 1463-34 CM - 310 - MBTL - 210 con (4) == - John - outerler = sudature - suga-कार्य अने अने अर् अये कार्यिक अवस्ति Journe and 3 year Osom westers-73-120 (Jen - 2m-1

4 gozi-sala - 2 Marinet - 3. sesusia Jaruay (312 - Characo - Culoralun - Comes-न्यक्रम्या न्यान क्रान्त 243484 50120 - CUT - OUS CUTS CUTS COURS COURS COURS COURS COURS COURS enther - francistra este - rela-- अपर्वताय - प्राचित्र - प्राचित्र - प्राचित्र ।

1 On when en - wha -

- अर्थिकार्ट अर्थि अर्थिन - (१००) वर्षात्वर 1) - विक्राप्त ए पेरिट्या - एप्यांची प्रिप्रियं निर्धां Contable डिया क्रिकारं में

(3) - ON CALLEY (41) - CUNI3 - July review - 1 - ON CO YENDER (15) - ON CHA - CUNITY - COURT -

- Shipley min sell de sour ser en ser

10-(466- %- 2946- आश्य - 35 21 या- 1 अर्थ थायas outerluces - Case

- कार्यक - कार्य मा । - क्रिक्ट्रिक के 1) एउट्टी केंद्रिक - दिल्ला तह क्रिक्ट्रिक्ट

- outsland outstand ought autoritaine

्रवेद्ये - अधि - १ विस्मारम उक्तारको न्त्रे क्या मीराप्रिय

क्षेत्र : अलाग्येय = के -3-04562-646-046-03-620420-646-Mr= curul-suy. curula 304stem -क्सल्पिक ने उपक्रिकास ने क्रिया ने किया ने किया ने अ



Environmental Studies (AECC) Assignment

NAME: ABDUR RAHAMAN

B. A. 2ND SEMESTER PROGRAMME

ROLL NO.: 3312245-2271618

REGN NO.: 066623

SESSION: 2022-2023

वाशू प्रथत निभेल्ल्हा छे भाग्रशूलि ल्ल्य।

नामुह्यन निम्सन (Control of Ain pollution)

अर्रिका कलका तथा अपातिया स्ति या कि प्राप्ति या कि

- @ यातपाश्तम अधिजिक विद्या याद्भूष ता सम्माप्त जना व्यक्तिस भावपायन जपश्चमकामीम पिरम्य पिप्तहाम क्रिया क्रियाम पाठाम्न व्यक्त (Catalytic conventer) गुपयाम क्रमा म्यकाम।
- ® ए सिट स्थापास निस्न पासूए व्हान्यप्यत कहा पासूप्त आप्तानिस्न ए जालकास चार्र जाक्यारेप दुस क्या गार्रा।
- अवन् मिर्ड म्मन प्रवास जापणा स्वाप वार कि कि जाएस
- क्यां न्यां न्यां क्यां क्या
- (ह) दुर्ह्म प्रमण १ वाग्नहम्म स्वापन कहा पाश्चन्य सांपि कहा।

 (ह) दुर्ह्म प्रमण प्रमण प्रमण प्राप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त प्रमण प्रमण प्रमण वाग्नहण्य क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त प्रमण प

विष्त फ्युकि चाम्रू अत व्यक्तिपिक याता :

(1) Electoro-static precipitatosz:

व्यक्ति जायाएग नाम थिए दिला, शिम क्रेगाम जनमायन क्या एम । व्यप्न निषा हमक्ष्र्र नाम व्यप्न व्यक्त क्या न्यक लिंशिय विकार विकार विमा क्या व्या व्यप्न विक्रान नाम निर्मित क्या रम।

10 Catalytic Conventer:

पश्चित चिन्नि वास्ति यिन्नित्स यक्षित यक्षि लागाता २३। व्यप्न यायाया बाल्नि विशेष एएक मुश्क अनार्थ्यलिक जानाम क्रम जमाना समार्थ असिक कम २३। (यमन क्रापंत साह्याखारेष , यायेखा कार्पत रेणामिक ज्ल ७ क्रापंत एविन खाखारिए अभागवित्रक क्या २३।

- ह्यालक्ष तात्र अक्वाकुत मुकार्य ग्रीमक देवत करें। उरे। (8) १८ क्षिण क्षिण निवास नामार्ता वार्षे दिक व्यास्थित न
- (4) Exclore separator:

प्य म्हा माम।

प्यक्त महार्थ नायाया नाया प्राप्त न्याहित नाया हिम्छ नाया प्राप्त कता वाणीम क्रिया नाया प्राप्त निर्माण नाया निर्माण निर्माण नाया निर्माण निर्माण नाया निर्माण निर

.हेन्द्रिक आलाह्ना नामकि आलाहना करा

पिन्निका आकृतिन (Cipko Movement): किम्पा जात्नालन अ थ्ल टाकस्त्रकात जा ल्हालत या जानिताही जाहरू ट्यामियान द्याणुद्यस् वातः जाताना जारिद्रायामी जात्मालनाएक जात्र्यक्षत कर्मा वर्ष जाल्तिबहु स्थाना वर्षे मा हिन्दी व्यक्तिकार विक्रि जाति मृष्टिम भरूष। - िभर्षा आस्माललाम स्थापण रम, या देख्यापाला हास्मालि क्वाप्त सावि नामक धास । १९न२ बिः छिलम् स माय व्याकारि क्षिणाणि सार्वनामा भाशाहि खबहिल्स बार्ग पहिल योपा एत। व्यस्त्रम् १९२३ थिः २४ विधित वलाश्यापाएत वनाष्ट्र लापिन्ध्र बाह्म विमन नामक वामि कामानि कित्ये माकि कि क्राय क्या ३०० हि जाह्म किए जाह्म । जिस कार् नित्रिष्ठ रित्र जात्रमिय गाम यद्धि धामवामीया लिय कार्ष किया क्याय र्वाष्ट्रत -पपु स्माणात ७ एम नाबिस कित्राम एक एएन। क्सिक बहार भन्न वकर किनाग्स ४० किस है साम्रमूस च्यात साम जान कादिए जाहाह ज्नावात एकीय प्रमीय प्रापा छ न्त्रा पुर्य दता। 19न8 - धिः जाित्वाजीम लाखी वित्रकेत्रप न्याण त्यक वाण्यासिक शका नक्षा कि किस सिस्का मिस मलाग्न । 1978 बिन्दिए 50 यहास तिहामस व्योद्धा क्लोद्धा क्लाद्धा क् - लिए से निव अधिला - किल्का जात्नालयक आर्थक अल (म्ला

S.R. FATEPURIA COLLEGE



ASSIGNMENT ON: ENVS(AECC)



NAME: ANAMIKA MONDAL

REGN NO.: 065577

ROLL NO.: 2455325

SESSION: 2022-2023

B.A PROGRAMME COURSE

न्याभेग्रेयटा स्थिभेटीरेस	
० इतिन्ता	1
(1) न्यारे देमल स्थिनि सिंद कार्य नायर नायर वार्य वार्यर	<u>.</u>
(11) - व्रह्मार्थ क्रीप्टमाह्म बीयक्ष्यवे-	1
(कपहुंपातुक स्पात द्वारा द्वारा है।	1
(A) खुका खेली हासा झिंह रिवृहिल सावहँ ————————————————————————————————————	1
(म) नाम अधिक्षावृद्दावश्वी महित्याक्षेत्र नीयक्षाक्षेत्र	2
(m) Lances-	9
राम श्रीवरा आका द्रासामिव अधितव्हा-	0
(x) avricing the	7
(x) त्यामार्मा हिन्द -	2-3
1,	3
thouse sulevieres	
a roller outebesser	_ 4
(1) Bolle sulchudera zhorano.	/1
(1) that saleticaled spended	- 4
() real (1861 - out elected as (430 des Lesar-Les ey-	- 4
a certae sulutierleis (Granel	- 5
W Marker aucerterd zugesen	- 5
(M) tepiles autebleder est	

योग्धिमट्न शिनेहोरियाँ द्वारा द्वारा दिनहरा।

स्थान स्थान स्थान क्या क्या क्या स्था स्था स्था । स्थि अत्विवश्चेत त्मस्य क्षिण क्या विश्व वार्ष । स्थित वार्ष क्ष्य क्षिण क्षिण । स्थित प्राप्त अव्या क्षिण त्मस्य क्षिण क्ष्य व्या क्ष्य व्या क्ष्य क्ष

() याभ दिनस एक्नेसिंग काइस न्यान्वर कर्या :

वर्षेत इतिहा। अस्म उस्कृष्ट : एत्यूमुकेक न्याभेते इतिहाराता चढामे ने वाल्या वामीकार्रेशमार्थ त्याक्त्य वर्षेत्र इतिहा। त्यक्ष क्याकृत्य कार्ज्याती (क्लिमेन प्रेस्स एतिस्थ न्याभिष्यका एत्मिर्सितं म्यास्था। १८८१ एमें वाभैत्रेयका एविमेहित कार्क्या वर्शित्रेयका एत्मेहितितं म्यासिश १८८४ १८९१ एते व्यक्ति विदेशे। क्याह्माया कार्येत वर्षेत्र व्यक्ति व्यक्

(- ख्रह्मेश ख्राष्ट्या चीवकाव °

क्षेत्र, क्ष्मिक। क्ष्मित्र, स्थित स्थित । क्ष्मित्र क्षेत्र स्थित स्थित । क्ष्मित्र क्षेत्र स्थित स्

3 sullating sull 22 Certs alsatis 6

क्रिकेटि यार्ग केलस हैनिह अपिए। क्रिकि कुटी हैठेवार्थियं सक केलस्वार्थी- न्यिक् क्रिनेस्य । क्रिक्ट इरे सर्वित्त क्रिक स्विति हेठेवार्थियं सार्थित क्रिक्त वर्भता वा क्रिक्टिशास इरे सर्वित्त क्रिक स्विति हेठेवार्थियं स्वार्थित क्रिक्त वा क्रिक्टिश्च क्रिकेटिं क्रिकेट स्वार्थिक स्वार्थित व्यक्त क्रिकेटिंग्च व्यक्ति क्रिकेटिंग्च क्रिकेटिंग्च क्रिकेटिंग्च स्वार्थिक स्वार्येक स्वार्थिक स

त) हिन्दी होता हिस दिस तीवकार है

वीत्तकारिते दुरमान्नि सम्भिक् मन्नामम सात कावान्त कर्वा रिस्पि वीरवकारित दुरमान्नि नश्रिता। क्रम्मा बीलासिक स्थाम बिल प्रिया वश्रेता दृष्टि। नभ्रतेत कर्व मश्रीत तीतकार्व तथानी-स्थाम बिल रित्रीत स्थाम सिल रिक्टिन दक्षि सित रिस्पि स्थीत श्रिक्त स्थीत स्थीत

(ह) वार्ज, टार्डिस्यायुक्तवत्रादी जारियाको वीयकर्त ;

उन्हरा (भ खाइत्य सुर्वाता आहें आर्थिट प्याव्यवाद्या है। जाहें ्याम क्याम क्या अस्ति। शिक्षाता - यात्मवारी सामित हिस्सी सिक्स् क्रियार क्रिटि खेडी कार्याद्वीत्म ईक्षिट वडवाड हात्ये वार्वित्यावा खेड्डि स्थारक क्याहरते क्याहरी महित्याकुर्व वीयवर्षा क्रियारियात्यो । क्ये साराक स्त्रिय कार्य देशक द्वार्याक्षिक ल्याकार्य करवेर त्यतिपादीय। न्यारेट् स्पाल क्षिक किर्मिक माकि कह समाय अस्मिकार नीयकार प्रादे Confless riageningala stik & Lil Bin Asuelen

@ Larster o

. यह देगता रखने ही हा अरबावे थाना इंडी, स्टाइनिड केंग्ये विश्वत उठका जाना कि अधिक । , नार्यंत कि खान के नुवेशन विकास मास द्रास्ति द्रियात्रक अर्डि खळ० द्रीन्ते वश्चार्द्रम्स्तिक थाका दिस्ति इ क्याति क्यारिक द्वारता कांग्रवेषत अविद्य स्थित स्थित स्थित क्याव्त-द्ध्य अल्पाक्ट (इपमल- यर्दं ख्या ग्रामेस्य स्थितं अपलिपिति साखार एटिंग वामें एक देशला है। है। है। है। है।

3 - ब्रीयस्मारका ज्यासित अर्वितक्त °

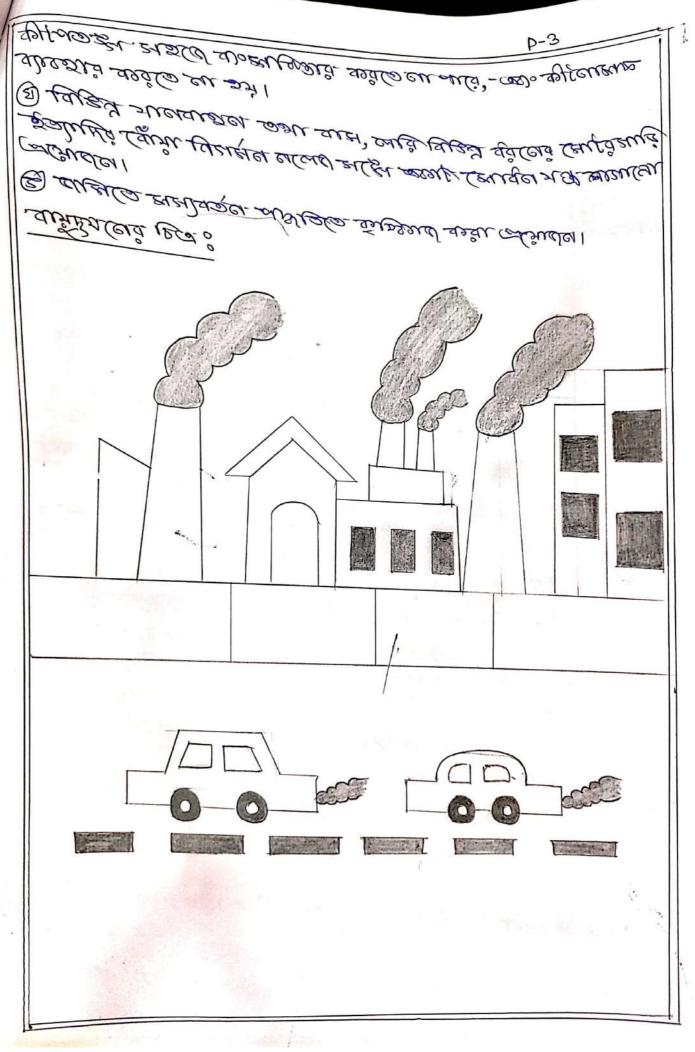
सार्वीयवे स्प्रवाताका लामाल अधिक व्य साय्विक सार्वे याम् देसका खिनसा वस्ता सहस्य। स्थाल सक्षित अञ्चल आकाश्ये स्थितिय द्वा सार्वात्रक अवहित्य स्थित स्थापना स्थाप कार्यात (कि प्रधिरमं प्रार्थिक देसता त्याक्रियामु र्जग्रियान साम्रक्टरि enteries estables

(8) seelier shave o

. हर्गवैद्याक्रक त्यावरमा द्वारत कार्वाक वाम केपटा एक्से क्षिणं द्या नार्षेत्र कर्जरीएम न्याक्सा व्यञ्चा अनेत अनि । रिनस्स — @ - क्युट्टाह्म अप्रतिषे प्रायक्ष मनास्ति वर्षात्र स्रायक व्यास्त क्रिया कुण्ट्र , यहरेत व लिक्षि व्यित्मित हा होता हा हिल्ला यवदी जास ।

(म) ८म स्प्राट्य द्वारामाञ्चाक कार्याम - क्यान्यशहेस स्वार्थि वाली देशसामे किल लिएन साम दिएका वर्ष (वास्त्री वीश्वा क्या मिली।

क्षित्र .क्षेत्रास कार्य नागावा क्रीमाग्रंस गाँव



You suchered zielle sulchell was · repulse sulesheres o

Boller sulcherer ser andand orlaider sucher swerren english such selled suggestary अपालमा कार्डामंद्रेश अंदि हादि अविविश । स्ट्र अविविश अपिलिशकारिक कार्डामंद्रेश अंदि हाती जाती कार् Zoulon alega etrolister Bet zwille elech gla laka ar Collecter द्रवाति काए देवते क्या - व्यवद्यात व्यावाद्या।

sulchextera stadus.

1250 र्जिं द्रकेट्याम्स (अक्टान्ट-द्रक्षेत्रकारी)-व्ये-सिंग्रेट् क्रियालमे दिन्नि कार्युत्वा कार्याद्वा कार्याक कर्ते। अर अवेवस् सामान द्र कुर्व न्या प्रास्त्रम क्राप्टि कि कि । हिश्रा क्रालिशक्यिं देखान देश दुरुवादा हिंद स्थित स्थित स्थित है विहा, ELLEND CHICEII

दिग्रिश कर्णाल्याल्य इत्वायास :

- (1015 BB talenera energy of godding engen enough काक्षीट्यव द्यार्थ व्याप्ति वासा दिस।
- @ 1243 दि% 54 खिल्ला त्वासकावा(प्रव वग्रि द्यार्थकि खिला enene (द्राहाटा विपिष्ट् का केंद्रवाधी स्थाप्ट (स्थाप्ट्र 300 प्ट्राप्ट) त्रभारत वक्ती (जाठारिक क्याधवादमुवा कार्पि वाद्य कार्याल वर्षि ।
- © 1018 रहे क्यार्यवास्त्रीय क्याह्न वाक्यार्थि क्या क्याह्मा (क आर्ट्रीत्रहरिक कार्क्टिंग वृदि वाद्या सिक्क दर्शाला क्रांसिक
- (त) 1080 हिंद कार्ट कार्यक्षात्मा केंग्री कार्या (सार कार 200)

्रिट्या क्यालिशाखाला अविशाखत्त (सका- (सक्री °

- @ इम्बर्यं द्यारा डाई द्वाला (कृष्ट्र 5000 व्या क्षेत्र काम्यक्ष्माल क्षेत्रकारिं-
- ि इत्यक्त्यार इदि (कुन्डा. 1065 दि, न्यासस स्थायायादिन कांग्रीय
- @ त्यांग्वी- एवी-।

Balver sulesherter's (Muzuel. 8

Sinia Cr zuent gige schilder I an sersold a seriespen eng sucheren zvorpenà dell Cruaisucy Leutifiscio. granderana zuen Euche Canael-sean a such sold outetet, eta Whar ser- Lood' Loques 'Ligh Eighe 3 Laller sulchescera Elcheret Ber aurete, I esq.

इार्सिट्याक मा बा्टाकाड- ॥ इश्चिम साह शि: " विविधा था व्यास्य न्याद भी ह्याक कार्सित व्याहम कार्सित कार्यावा हि का

अव्यक्तिका नेका अवेव सिटी स्मापस् अव्यक्तिकार्य स्था। व्यक्ति स्थिति के किल्वे त्रिक्ट्रा स्था— स्वक् राशिष व्यक्ति का कार्य कार्य कार्यासि सेल कार सार्थि व्यक्ति

स्विरिक कार्याट्सिक इस्ते वश्चा है



S. R. Fatepuria College

Beldanga, Murshidabad

Environmental Studies (AECC) Assignment

B. A. 2nd Semester Programme

Name: Abu Taleb

Roll No.: 2457263 Regn No.: 066647

Session: 2022-2023

1) Write ashort on Chipko Movements.

क्षित्रा. कावंत्वत्तं साधुप्याण तथाक नकद्र द्वादुप्रद्रातं त्यकार प्रका । त्यामा - एवंकाम - विक्रीण - गाम्डेस से के वेस्ट क्षिण पूर्व किला जल विधिका इतारात्याल प्रश्नकी किर्मू पस - र्यां राणं यं यद्य अपनेतिहर क्यां स्थार स्थार्य त्रात्र JULO I LUSEL ALLEHARI MILER NO TLACOL SLOWER 3 मियामावक वयक्षी देखांतव के व्यातिक व्यातिक। 20/0/0 ZULM 200 DLV(RIO. 21 CIZILM COLUMIA DE18/0 पाशक साउँ। ३ अपाकाशं याण कार्यां कुळ्टाला दुर न्यारिक्षाण्य क्षर्यं का तिक्षित न्यारिक्षाण्य, यादि अिंदिश

विसीए किलाका करमारित जार्थ राम मार्डा हो। या अप्रिक अवाह हें बाहा। शुक्रावित विकार मार्थित स्थामारहरेट लाह हारा मध्यात हारा में हारा मार्थ हारा प्रवेख ्टींक एक उटार्टीय। ने आदमापय परम्पार्थित क्षेंक पर कवरपत जारियालय जाएम या मिन्नीय नाम अपेड्रिय कार्य कारंत क्रा मार्थिय मार्थिय मार्थिय मार्थिय मार्थिय मार्थिय ZLIGMA TIBLY SEELY 330 DENCESO YLCZINEM CZEMLA CHLORETO YIROL WIZIZI JUIDED 21PM FILEN एमार नात्मामात्वं स्थात । हार्यमार वर्ष कार्यात्मार्थ किन्छ , त्राक्षिकंत्र, व्याप्ते अपार्ड द्राप्ति व्याप्त व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति ट्रें व्यादीय के प्रमान है मिर्पायमा विवास

मार्ठ्यार्वेट अवश्वरिक रंग। वरार्व में क्ष्मा कार्या यायायायायाय के क्ष्मा कार्यात में क्ष्मा कार्यात कार्या कार्यात कार्या कार्या कार्या कार्या कार्यात कार्या कार्या

बाद वर्ष सकां मालाप्या शाप्तां मानमां माने मान म्हास स्था स्थान स्थान स्थान स्थान अवल्ह्या यदा त्वरत्यम् ।

माठ राष -गाया सिंहा गालाहपाठ. र अस्तर्या इति द्वाप वयत सार्व : हावत्वं वयदेशि वसारम् स्थिति आदिराम विक्रित मेंके द्वारं जयार मात्या-प्य ह्या खाल अव त्या चाराहित यपहें श वक्षाव. गार्थ येथिए एक कुराककारक क्या प्रशिक्त

2) Write down the AinPollution control Strategies

काश्यक न्यान शानंतक विकाम काट्य का मिर्छ प्रिक्र दुरुग्रमाध्ये उपप्रधा टाम्प्रका प्रमित रण अवकर। - ये ये प्रमित्रक येपा प्राह्म हेल आर्थात क्ष्यां स्थाप स्थाप हार्थ हार्थ हार्थ गायाक सिराया त्यापा नामा नामा नामा नामा नामा भिण प्रेष्ठिक यात बेटपाल । या एटप वाष्ट्रिक या देखि क्ष्युंड मेरल उप्तिम मर्देश म

गारमध्या दाशम सुक्षी होड़ वर्ष भाष्ट्रायक (माया याराष्ट्र यथा वार्ग प्रवापव विकास है। ति कार्म यक स्थि किंद थिए गाप्ताव्या क खंड इसके इसके

- () सिर्देखि क्रियेश सामाण कलकावेदाला त्यादक स्विकावक माया पाता कार्य हमाय क्षिण्य कार्य हमाय हमाय हमाय हमाय हमाय हमाय भूण त्याहम यवक द्वा ।
- (1) यात्रैर्धित क्याद कर्षा ठंड नावं द्याताया द्या क्रेरीक्ष क्या रायेथार 3 रेस्टिंप क्विछं केवल अला असमा उत्ताया कलाकं हाकिकं द्या थ्याम : क्षित - ३ त्या के ह्या है के कुणक के त्या है - विद्या ।
- . केरकाथक देवता होता कास कास कास्त्रक कार्याक प्रमास । कार्य प्रथम कार्यात द्रापाव काल प्राष्ट्र याल त्यात्र कारा न्यंत्र प्रवेषाठ ।
- (द्याद्व्यातुं द्याहा सुत्रेव कां व व्यव्हारा त्याप विकास ल्या कार्या कार प्रदेश कार । ह्या । ह्या कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य 4000 2001

- प्रथाने सिटंग्यन । आ भुष्टियनिया न प्रयात न्याकित्यं याद्य देवडी वंदित

क्षिमिल द्विंग प्र मेंट्र अग्रायम करंत अय , देशास्य द्वारा करंत अय। स्पाराद्व मेंट्र मेंट्र मार्थ स्वार अव । अरंप्य क्ष्यं या क्ष्यं या या प्र व्याव प्रथा कर्यं प्रथा क्ष्यं अव्या क्ष्यं क्ष्यं अव्या क्ष्यं अव्या अव्या व्या प्राय अव्या अव्य अव्या अव्य अव्या अव्य अव्या अव्य अव्या अव्

कार्यातक अविकार क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक अविकार कार प्राप्त कार के क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक

S. R. Fatepuria College

Beldanga, Murshidabad

Environmental Studies (AECC) Assignment

B. Sc. 2nd Semester Programme

Name: Amiyo Ghosh

Roll No.: 2454905 Regn No.: 067715

Session: 2022-2023

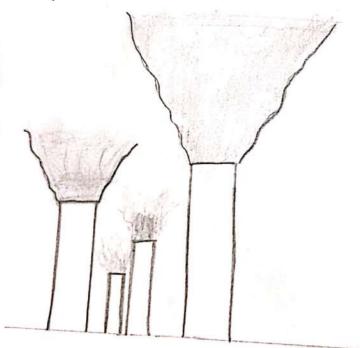
-). यास म्रिम नियम्ह्त्वत् ऐलाम हल्हा ।
- २. क्लिट्स्म जाल्मालन जन्महर्म हल्हा ।

वाग्रहमन की ?

अभिक अर्थ। न्यार्टिश्चे किमी अर्थक्षित्र म्या आप्रिस्त अर्थि क्रिस्टिश्चे क्रिस्टिश्चे क्रिस्टिश्चे क्रिस्टिश्चे न्यारिक्ष अर्थि। न्यार्थेय मेया आप्रिस्त अर्थिश्चे क्रिस्टिश्चे क्रिस्टिश

- याग्रेष्ट्रमध्ये निम्मुस्त्र एलाग्रेड्राह्म इल :-
- यक्षेट्य प्रस्त या बर्वेष स्टिम्सि ए एडिं ,यब्रेट्य प्रस्ति ।
- अस्य प्राह्ण- त्याप्रैनियम अन्हार । आ प्राध्यार्थम त्रिअस्या सिक्षिय प्राक्तिम या अ०स्थिव यज्यस्य-
- नार्रेन्टिम्य स्टास्टर. ज्ञाधाद्वीएषाएक यिक्टिंग अर्थरूक- ज्ञेख । (in) -हैपार्य एकाएप एसपारिम्प्य. - तिर्देश - द्यामा - त्वीक्रीन -
- ्राण्ड्यांत्रं अग्रजींत्रं अर्थितः ज्या । यातारित या ज्यासत्त. सार्थः त्यांत्रं ह्यो प्रमुक्षि अक्षाः (1) देख्ये त्यार्थः व्यथा ह्याब्रीति सार्गान् स्थातः स्थारपत्रे

- उर्जिट्ट केर्य। सार्थि कुट्यकस्ट्रिशहुक- ट्यासिफिट्टार्व जाय्ये त्रीयकार्व (11) - स्थिटिश्यु : क्यिट्यक अधिकार क्यिट्यास क्याद्वीया -
- (म) मेत्रपत्सर्धित्व सार्पत्रिक सक्य यात्री काँउ यहेब्क द्वार
- (m) र्वमुद्रधिक, स्ट्रिसाकार्रेड योक्यांत्रं स्ट्राक्ट इस्त ।
- अस्य । (1) यग्रीहेंपथा ही स्मित्य - स्मियाधने - स्मित्य हेरिवं योहास्त्र-
- १८ स्यालानि एस्पूल राज्य हमाएसना यम क्येर्ट-



यार्गिया

कृतिण - र्राहिष्ट्रिंग आस्ति।

कृतिण - र्राहिष्ट्रिंग अस्ति।

कृतिण - र्राहिष्ट्रिंग अस्ति।

क्रिका - र्राहिष्ट्रिंग अस्ति।

क्रिका - अस्ति।

- मिक्सिश्चा , उक्जाादिक अर्था — ज्याप्रिक्षेत्र क्या । विधिर्ध्या , उक्जादिक , अर्था । विधिर्ध्या , उपलिश्चा , अर्थादिक , सिक्षिया , उपलिश्चा , सिक्षिया , सिक्षिया

्यहंगिष्ट्र । स्टिम्याम १३ मुक्ताम क्रिसालहरूव नित्ताम क्रिसालहरू

आक्रालकव वग्रन —

- क्रिक्ष । क्रिक्षित् अर्था क्रिक्षा क्रिक्ष अर्थ आस्मासस्यं भिर्मिक्ष
- लि सिड्यं विरेष अधि। क्षिय स्थान्य के ल्यास्प्रिय क्षियं क्षिय

- अर्धिष्ट्रेष्ट भार्य हिंची र्राण्या क्रिये प्रदेश क्रिये । यास्त्रं अर्थालिशीं हार्षे त्राष्ट्रिक सुर्धिति कर्ती ण र्रेभ्यक्सर्व अर्थालिशीं अर्थक्षिया दुर्ग्याति
- एपर्व एप्या । प्रमण्य साल यहरीया लिएयय साई स्माल्य-
- अर्वेश्वर्ष () अर्वेपी विक्रावित हिस्स्टब्बी कार्व आस्मास्य
- भि अर्थ जालालत हिल प्रांत्रीत ए। विश्व अभावता ।
- ह्या प्रमाण हार्ष्ट्रलाहात । क्रमक्या अर्थ आस्मालदाय
- प्राप्त निर्धा । क्रिस्ति । स्थिति । स

S. R. Fatepuria College

Beldanga, Murshidabad



B.A. Programme Course Environmental Studies (AECC) Assignment

Name: Abdul Rob

Roll:3312245 No.: 2271616

Regn No.: 066621

Session: 2022-2023

अ क्लार्प राउट्डे प्रकारिक हलहा।

अञ्चित वार्षण रविष्यमी २०१० वार्षण मध्य वार्षितिष्या व्यवसामी विद्य स्वर्धिक प्राकेख अंतिए । लाम वाष्टां अन्या अन्ति रिम्मामा अनित माली संपत प्रानिमी न्याप रिस्पि लामार्ग अप्रथ तमास स्मित्र वार्ष मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ नामान मार्थ वार्षित में मार्थ यञ्चारा २०० क्षीयन अविकित । कर्मिस यास्त्रमा न्यात योग्योए प्रिकेए यान् न०१ व्यान्त प्युए । १० ब्राम्युष्ठ्णे बर्म रल मानारि मल्ल १३ यापिटल्यं विण् विदे १००० । @ लट्या, तेष्या ताल ताले ताले ताथ विषय विषय हेत्राश्चारी येते वर्षित विषये

यमग्रि वाणनाएं मा जाना भूष्याएं व जानाह वामण रह नियमि विस्ति कर्ष आ जानि ।

न विवाद रिकाकी १-

ण्यिणेए यर्णिक नुसुक्षण्य ब्लाभात इल जल । अकि ज्ला याख्या ज्यात प्राती, ताक्षणाला, विभूत् गणु जातिल यमानामानी व्याता सीय विद्यू गीर्ण । क्लर्स याधन्त्र मीट मिंग मल मान लपनाक प्ला भीके णातिन वाही मार सार तारी, विष्याण्यं अणे स्पष्ट विष्यं अमेरि अगे क्षेत्रि जां कित्र क्षेत्रि वानमाप राहापि व्यात्व लाद्रकार्या ५०० त्महार्थि अल्बि. वा वैधिं विधिं वार्षि वार्षि विभिन्न अंति विभिन्न वार्षि वर्ष क्रियार विविधे क्रियार हिंग

मि वेपारी जाङ्गविके अकाविहर ३-

पला याछवित्रभ् वर्षीयत यगृत रात्न वात्र् द्वाष्ट्राक्ती, वार्येताकि वार्षिं वारावीई तुत्रांखी श्रांचिक विवानताम त्यांत त्राहित अविन ह्या रेडिट रिताकी आए अधि जाभण लाउना है, अभि जाएए मधि प्रानित इसि दें मूल जिए जारि त्य वार् अहिन विस्ति वास्ता इस्ति यारं अहिन विस्ति वार्रिक्यं वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य माभि (मायादगाय- भगे० प्रागर नामित वार्व।

@ मैंटावेरि ' वर्षितं - वर्षितं - वर्षितं - कार्या ना मुक्ट नामुरिक नामु - भिकार्त्व के ७ याणार्व आनात- व्यवणात् अवीच- मेरि राज स्याकील क्रिक अवन्तिकालित व्यक्ति विद्या

अधी क्रमणात् क्रिक्न्य संचति क्रिक्न क्ष्य क्षित क्षि

कि सामांत्र प्राप्ति व्यक्ति कार्या असमानिक मार्डिश - मिलिन वेर्ता । जातमाय विक्रम्य कार्य वार्य के मार्य व्यामां व्यामांत्र देश प्राप्ति आवे अश्वस्त्री स्वेर अर्थ

क्षित स्थान वास्त्र कार्य अन्यायिक क्ष्रांतिक क्ष्रांतिक स्थानिकार्य कार्य वास कर्ष्य अर्थ कार्य कार्

मि क्यार वास्वविकं व्याप्तिनाजः-

न्निमंत्र सुरख सारिक अपने क्या है।

र्षणण् विर्क्ष स्तर्ण विस्त्रालिशिष्ठ सलस आस्त्राण्याल्यात्रील प्राचि आस्त्रिः

• पिक्सिक १-

Nectonics:

न्यति ५०० व्यक्ति व्यक्तिय- यात्रिकंदित मात्रांत मात्रांत त्यात्रि वार्ति।

• निर्देशनिक्षः

प्रयुक्ति अभव जीए भा क्रियाभारत प्रस्कि याग यहत १५७०

िनिकिति महना

न सिमा भण्ड सिमा ?-

विद्यालय क्रांच्य क्रींग्रिक अर्थ क्रींग्रिक क्रींग्रि

काष्य अर्गित त्याप्र वंगानं अह ३५ विटिंट क्षिक्षितं व्याप्रिक्षां व्याप्ति हिस्सित्याये द्विम् । मगमायोग्ने द्वाप्तिताय्विने नेमादि। अह आक्रियाष्य हुवार्ज-दिल्य वंकुक्षि क्रिक् क्षियां व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति याविं तिमहेट अहिला रामध्य व व्याव्याद्व भागों वेद्या व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति

-श्रीम् सम्बर्ध

• मार्व दित्राध्याम १-

था। किल्या कार शुरेटा अपनित इंग्रिस विदेशि। अपित किल्यि एक कामारी अपनि मर्गिर्म की प्रिंग्या

क्षिट्न रिक्या कित आंश्या कि

त्रामात के कार्त्व कुर्तिक कुर्तिकार के अपनि कार्य के वास्त्र कार्य के कार के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य

र। यार्शेरें अव, एक कंब कि कि क्यारं . येप्प- क्यहा ।

(1) यार्थे में मच । यु कंचेय- लाइय- त्यात्राकं क्यं है-

नार्थे केंत्रच रिंगी- क्षणं के खेन किल्बी

नारीत यैनमाय- नागं वेहा। निविध्याप्य तारंत हांति। त्रात्य अंते रसित । के व्याव्य विकारित दिल्ली । निविधितार नारी से मण- विविधित व्याप्ति विविधितार विविधित विकारित विविधितार नारी से मण- विविधित विविधित विविधित विविधित विविधित विविधित विविधित विविधित

(!!) किवीष्ट कास्त्राध्य नीकाके ३-

अव्याधि अध्येष्ट (मिक भाष्यमार्गे समार महंग्रें

अमेरेंगे लामिकेट इसिस्। मेरोंगे मारायां क्रियां क्रियां अमेरा सुरह।

(!!!) व्यक्तिकारकि क्यकि व्यक्तिकार्ट क्राज्यके है-

क्रिकार्केट व्यक्तिक न्हुअमिष्य क्रिक्टिकंट्र अस्थिए क्रिकेट

टा किर्य कार्री तम्य निति कार्राम् । कारियोष्ट्रिक क्रियोप्ति कार्ये में में मार्या को । क्रियोप्ति क्रियोप्

ि। विश्वा भूदल जिया सूयु एपप्रिल अण्यणह :-किया मुक्क द्वाद्वीक ल्यं क्रिक भिट्ट निवामादन भेषांगेंड को दुष्टि। सम्प्रेय अं माल्य-क्षाडमंत्रामें भाषा भिता वीतें देवातीय त्रात्रा कि तु-गाहिट किंच। अमको संबयनाति क्रिमा निकि दिवसिष्य मित्रारिके ह्वास्मितिक प्रम्पारिक म्याग्राम लिए व्याहिन मण् प्रस्थिति। (ग) यासू जिल्लावित्यक्ती यन्जाठिए गणशण १-यर्जभाद्वि ।यो ब्रिन् र्वष्ट्वण् यातु नाविद्वार्षित-कार्ण- यनुगाि वारिक्ट इसिस् । अगरे गात्य- विल्लाएन श्रीले- गांट उर्र यमास यन-गाव्यिष्य- क्राह्मके त्यकि लागिक आंत्रमातेल प्रकेश्यावेलकि क्रिकंग- वारंगिय) (गां) उन्हे द्वावाय १-यात्रै रिभय विभेषेच प्राणेति तथी तही वार्यति रिभेर्तावाय-किर्वे किर ताथा में किर ताथा में किल - उत्पाधि - उत्पादि कारता । अमासे अतिल दिसि यात्रुवानुल्ए पार्णन एवं व्यक्षावित र्जासन पार्ए। (भां) जनान गुम्भा १-क्रिणीचेंचि प्राफ्रायुनि काण गयु प्रसन निस्त्रुतिए जना वािता मन्येष्य- ग्रीम्म प्रेड्स सम्म ग्राने । दिशाय-(क) क्ष्मित्याक नामाद्यां क्रावडमं सद्यामानेत क्षायुरं स्मार्टाक स्मारिक स्मार्टाक स्मार्टिक स्मार्टिक स्मार्टिक कुरोन्त कर्ता वामिट वेद्यायक माहीति तारी तेमच यिवेचेच राधी गारी (हा) द्रा भक्त कामकेष्यक नामकि काश्विकार्या ग्रिलं नवी वेरंग्रेयपुरी वागाय सावे (व्यानय करिं (यक्रेस मिताम करेर मिरेसिय) (य) त्यमिकि त्रामात्रिय वामिकिक उपश्चिमार अके विदेशकी ।